सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-287
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
एक सफल व्यक्ति बनने की कोशिश मत करो , बल्कि मूल्यों पर चलने वाले व्यक्ति बनो.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 21 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

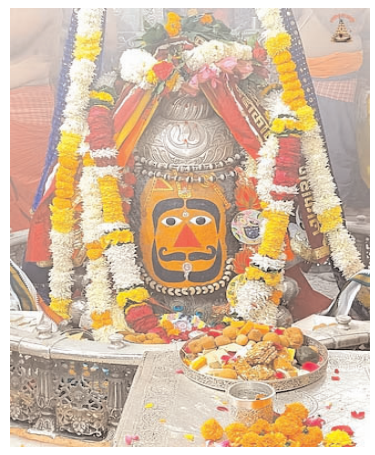

डोनाल्ड ट्रंप ने ली अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ

अमेरिका हितों को प्राथमिकता देने के लिए लिए कुछ निर्णय

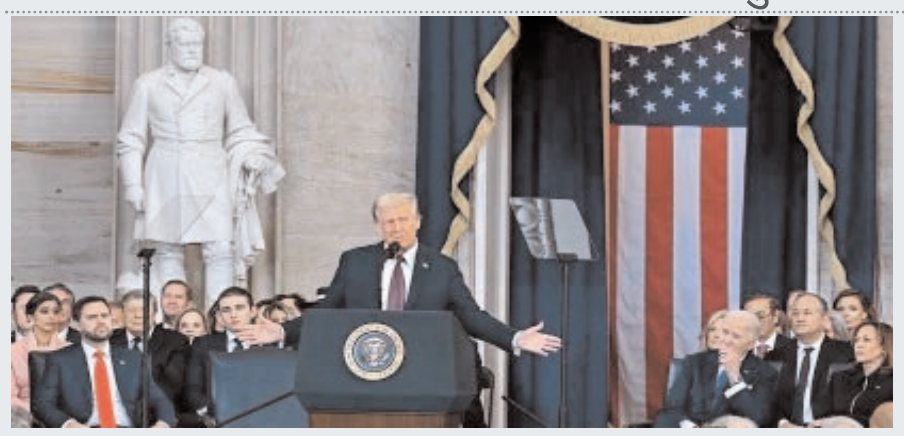

डोनाल्ड ट्रम्प 20 जनवरी 2025 को राष्टपति पद की शपथ ली तो वे अमेरिका के 47वें राष्टपति बने जो बाइडन के पहले ट्रम्प 45 वें राष्टपति (2017-2021) थे। बाइडन से पहले कार्यकाल मे ट्रम्प के कुछ विवादित विषय भी रहे। मेक्सिको सीमा पर दीवार निर्माण ट्रम्प ने मेक्सिको सीमा पर दीवार बनाने का वादा किया और इसे अप्रवासियों को रोकने का एक मुख्य साधन बताया। इसके लिए सरकारी फंडिंग में भारी विवाद हुआ, जिससे अमेरिकी सरकार का 35 दिनों तक शटडाउन हुआ। मुस्लिम बैन उन्होंने मुस्लिम बहुल 7 देशों के नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया। इसे इस्लामोफोबिक करार देकर आलोचना की गई। रूस के साथ संबंध आरोप लगा कि 2016 के चुनाव में रूस ने ट्रम्प की मदद की। रॉबर्ट मूलर की जांच में इसे लेकर कोई ठोस सबूत नहीं मिला, लेकिन ट्रम्प पर विश्वासघात के आरोप लगे। पेरिस जलवायु समझौते से हटना उन्होंने पर्यावरण पर वैश्विक संधि से अमेरिका को हटा दिया, जिसे पर्यावरण संरक्षण के खिलाफ कदम माना गया। यूक्रेन विवाद और पहला महाभियोग ट्रम्प पर आरोप था कि उन्होंने यूक्रेन के राष्टपति से बाइडन के बेटे के खिलाफ जांच शुरू करवाने के लिए दबाव बनाया। इस पर 2019 में महाभियोग चला, लेकिन वे सीनेट में बरी हो गए।कैपिटल हिल विवाद जनवरी 6, 2021 ट्रम्प समर्थकों ने 2020 के चुनाव नतीजों के विरोध में अमेरिकी कैपिटल पर हमला किया। ट्रम्प पर आरोप था कि उन्होंने अपने भाषणों के जरिए दंगे को उकसाया। दूसरी बार चुनाव लड़ने के दौरान घटनाएं (2024 चुनाव अभियान) चुनावी धोखाधड़ी के आरोप ट्रम्प ने 2020 के चुनावों में धोखाधड़ी के दावे किए और 2024 के लिए अपनी उम्मीदवारी को सच्चाई की जीत बताया। हालांकि, कोर्ट और चुनाव अधिकारियों ने उनके आरोपों को बार-बार खारिज किया हैँ कोर्ट के केस और कानूनी परेशानियां कई मामलों में ट्रम्प पर कानूनी कार्यवाही हुई, जिसमें चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप, गोपनीय दस्तावेज रखने और व्यापारिक धोखाधड़ी शामिल थे। यह उनकी छवि को नुकसान पहुंचा सकता था। उनकी नीतियों की वापसी का वादा ट्रम्प ने वादा किया कि वे मेक अमेरिका ग्रेट अगेन एजेंडा को और ताकत देंगे। चुनाव जीतने के बाद त्वरित निर्णय और उनकी योजनाएं तुरंत निर्णय लेने के कारण ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में अधूरे वादों को पूरा करने और अमेरिका में तेजी से बदलाव लाने का वादा किया। वे मानते हैं कि दीर्घकालिक योजनाएं विपक्ष द्वारा बाधित हो सकती हैं, इसलिए तेज फैसले जरूरी हैं। कैपिटल हिल दंगे और कानूनी विवादों ने उनकी छवि को झटका दिया था,जिसे वे जल्द से जल्द सुधारना चाहते हैं। मुख्य योजनाएं आर्थिक सुधार ट्रम्प ने घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने और चीन पर आर्थिक दबाव बनाए रखने की बात कही। सीमा सुरक्षा अप्रवासन को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की योजना। अमेरिका फर्स्ट वैश्विक सहयोग के बजाय, अमेरिकी हितों को प्राथमिकता देना। लगभग आधे घंटे के भाषण की मुख्य बातें अमेरिका के पुनर्निर्माण का वादा उन्होंने कहा कि वे मेक अमेरिका ग्रेट अगेन को अगले स्तर पर ले जाएंगे और अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनाएंगे। आर्थिक नीति अमेरिकी उद्योगों को मजबूत करने, नौकरियां बढ़ाने और चीन जैसे देशों पर सख्त प्रतिबंध लगाने की बात की। विदेश नीति अमेरिका को वैश्विक पुलिस की भूमिका से हटाने और केवल अपने हितों पर ध्यान केंद्रित करने का वादा किया। सीमा सुरक्षा मुद्दे पर उन्होंने सीमा पर दीवार निर्माण को और तेज करने और अप्रवासियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का संकल्प लिया। 2024 की जीत का संदेश उन्होंने 2024 की जीत को सच्चाई और न्याय की जीत बताया और अपने समर्थकों को आश्वासन दिया कि वे बदलाव लेकर आएंगे। आगे की रणनीति वैश्विक नेतृत्व ट्रम्प ने अमेरिका को सबसे प्रभावशाली देश बनाने का वादा किया है। सख्त घरेलू नीति अपराध को खत्म करक्ने और अप्रवासियों के मुद्दे को प्राथमिकता देने की योजना बनाई। 2024 के बाद का विजन ऊर्जा स्वतंत्रता, टेक्नोलॉजी में नेतृत्व और पारंपरिक अमेरिकी मूल्यों की वापसी। निष्कर्ष डोनाल्ड ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल उनके पहले से भी अधिक आक्रामक और नीतिगत बदलावों से भरा हो सकता है। उनकी प्राथमिकता अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को लागू करना, वैश्विक स्तर पर अमेरिका को मजबूत बनाना और अपनी छवि को पुन: स्थापित करना है।

नौकरी की उम्मीद में ले लिया एजुकेशन लोन, रह गए बेराजगार

मध्यप्रदेश के 7000 छात्र डिफॉल्टर घोषित

भोपाल। मध्यप्रदेश में उच्च शिक्षा के लिए कर्ज लेने वाले करीब 7,000 छात्र डिफॉल्टर हो गए हैं। यह चौंकाने वाला आंकड़ा 2019-20 से 2023-24 के बीच का है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान 73,504 छात्रों ने उच्च शिक्षा के लिए बैंकों से कर्ज लिया था। नौकरी न मिल पाना भी डिफॉल्टर होने का मुख्य कारण बताया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि प्रदेश में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या अशिक्षित बेरोजगारों से कहीं ज्यादा है। मध्यप्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। खासकर उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हैं। इसका सीधा असर शिक्षा ऋण चुकाने की उनकी क्षमता पर पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच सालों में 73,504 छात्रों ने उच्च शिक्षा के लिए बैंकों से कर्ज लिया। इनमें से 7,294 छात्र कर्ज चुकाने में असमर्थ रहे और उन्हें डिफॉल्टर घोषित कर दिया गया।

तो इसलिए बने डिफॉल्टर! बैंक अधिकारियों का कहना है कि नौकरी न मिल पाना डिफॉल्टर होने का सबसे बड़ा कारण है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। इससे वे कर्ज का बोझ उठाने में असमर्थ हो रहे हैं। यह स्थिति उनके भविष्य के लिए चिंताजनक है।

395 छात्रों ने एक करोड़ से ज्यादा का लोन लिया रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पिछले पांच सालों में 395 छात्रों ने एक करोड़ रुपये से ज्यादा का शिक्षा ऋण लिया। यह दर्शाता है कि उच्च शिक्षा कितनी महंगी होती जा रही है। अगर नौकरी न मिले तो यह कर्ज एक बड़ा बोझ बन सकता है।

एक छात्र की पढ़ाई के दौरान मौत सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 20 नवंबर 2024 तक मध्यप्रदेश के रोजगार पोर्टल पर 26,17,945 बेरोजगार पंजीकृत थे। पिछले एक साल में निजी क्षेत्र में केवल 58,351 युवाओं को ही रोजगार मिला है। यह आंकड़ा बताता है कि रोजगार सृजन की गति बेरोजगारी की बढ़ती दर के मुकाबले बहुत धीमी है। रिपोर्ट में एक दुखद घटना का भी जिक्र है। एक छात्र अमित खातरकर की पढ़ाई के दौरान मृत्यु हो गई। उसका शिक्षा ऋण नौ लाख 82 हजार 567 रुपये था, जिसे राज्य सरकार ने अनुदान देकर चुकाया।

चुकाने पर हट जाएगा डिफॉल्टर लिस्ट में से नाम एक आम धारणा है कि डिफॉल्टर होने पर छात्र भविष्य में बैंक से कर्ज नहीं ले सकता। लेकिन ऐसा नहीं है। अगर छात्र नौकरी लगने के बाद बैंक का कर्ज चुका देता है, तो उसका नाम डिफॉल्टर की सूची से हटा दिया जाता है। वह भविष्य में फिर से कर्ज लेने के लिए पात्र हो जाता है। इसके लिए उसका सिबिल स्कोर देखा जाता है। कई बार बैंक छात्रों को विभिन्न योजनाओं के तहत रियायतें भी देते हैं।

पढ़े लिखे बेरोजगारों की संख्या ज्यादा सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मध्यप्रदेश में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या अशिक्षित बेरोजगारों से ज्यादा है। 2024 में 52,017 अशिक्षित बेरोजगार थे, जबकि 25,30,742 शिक्षित बेरोजगार थे। यह आंकड़ा शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को दर्शाता है

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी- ताहिर जैसे लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त टिप्पणी की कि ऐसे सभी लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। इसके साथ ही पीठ ने पूर्व पार्षद और दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन की याचिका पर सुनवाई 21 जनवरी तक टाल दी है, जिन्होंने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत मांगी है। मामले में न्यायमूर्ति पंकज मिथल और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने समय की कमी के कारण सुनवाई स्थगित कर दी, लेकिन जैसे ही दिन की कार्यवाही शुरू हुई, ताहिर हुसैन के वकील ने मामले का उल्लेख किया और 21 जनवरी को सुनवाई का अनुरोध किया। पीठ ने जवाब में टिप्पणी की, जेल में बैठकर चुनाव जीतना आसान है।

आयुर्वेद महापर्व 2025 पर सीएम मोहन यादव ने की खास घोषणाएं

65 साल की उम्र में रिटायर होंगे आयुर्वेद चिकित्सक

हिंदी में होगी यूनानी चिकित्सा की पढ़ाई, 11 सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज खोले जाएंगे

भोपाल। राजधानी भोपाल में पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक संस्थान में अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन की सहभागिता से तीन दिवसीय आयुर्वेद महापर्व 2025 में सोमवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव भी शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने आयुर्वेद की महत्ता बताते हुए कहा कि जो एक बार आयुर्वेद को जान लेता है, वो फिर किसी और को नहीं मानता। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हजारों साल पुरानी परंपरा है लेकिन पूरी दुनिया अब इसे जानने के लालायित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी योग विद्या के ब्रांड एंबेसडर बन चुके हैं, जिन्होंने योग और आयुर्वेद के ज्ञान को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। डॉ मोहन यादव ने आयुर्वेद से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि मैंने स्वयं आयुर्वेद के असर को महसूस किया। वे निरंतर एक घंटे योग को देते हैं, जिसका उन्हें बहुत लाभ पहुंचा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में शासकीय स्तर पर 11 आयुर्वेदिक कॉलेज खोले जाएंगे। उन्होंने एक साथ कई बड़े ऐलान करते हुए कहा कि आयुर्वेद कॉलेजों में डॉक्टरों के साथ-साथ अब नर्सिंग और पैरामेडिकल के कोर्स भी कराए जाएंगे। मोहन यादव ने आयुर्वेद चिकित्सकों को बड़ी सौगात देते हुए कहा कि अब वे भी 65 वर्ष तक अपनी सेवाएं दे सकेंगे। जो वित्त संबंधी समस्याएं हैं, उन्हें दूर किया जाएगा और अब 62 वर्ष की बजाय 65 वर्ष तक सेवाएं दे पाएंगे।

अब आयुष विभाग करेगा पंजीयन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आयुर्वेद से जुड़े क्लीनिक और नर्सिंग होम के पंजीयन की प्रक्रिया अब तक स्वास्थ्य विभाग करता था, जिसमें कई प्रकार की परेशानी होती थी लेकिन अब आयुर्वेद विभाग से जुड़े क्लीनिक और नर्सिंग होम का पंजीयन आयुष विभाग ही करेगा।

उज्जैन में बनेगा अंतरराष्ट्रीय वैदिक न्यायालय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि सम्राट विक्रमादित्य की न्याय परंपरा के आधार पर उज्जैन में अंतरराष्ट्रीय वैदिक न्यायालय बनाया जाएगा। इसके निर्माण सरकार की ओर से हरसंभव मदद की जाएगी। साथ ही दोहराया कि उज्जैन में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान खोला जाएगा, जिसका प्रस्ताव भारत सरकार के पास विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि अब यूनानी चिकित्सा की शिक्षा भी हिंदी भाषा में दी जाएगी।

उज्जैन में अगला आयुर्वेदिक सम्मेलन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोग कहते हैं कि आयुर्वेद की दवाई देर से असर करती है लेकिन मुझे आयुर्वेद की दवाई ने तेजी से असर किया, मै शिक्षा मंत्री से मुख्यमंत्री बन गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि अगला आयुर्वेद सम्मेलन उज्जैन में आयोजित कराने के प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एमपी की धरती पर 2028 को महाकुंभ होने जा रहा है। हमारी आस्था विश्वास रखने वालों का पलक पावड़े बिछा कर 2028 का इंतजार करेगी। 2028 कुंभ में आयुर्वेद पर्व का आयोजन करेंगे। उन्होंने कुंभ की तैयारियों के मद्देनजर कहा कि हरिद्वार की तर्ज पर उज्जैन का विकास करेंगे। जहां सभी आचार्य महामंडलेश्वर को, सभी अखाड़ों को, संतो को, प्रवचन करने वालों को, आयुर्वेद में विश्वास करने वाले सभी संस्थाओं को हम उज्जैन में भूमि उपलब्ध कराएंगे।

कार्यक्रम में पर उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार, विधायक भगवानदास सबनानी और पद्मश्री एवं पद्मभूषण से अलंकृत अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन ट्रस्ट, नई दिल्ली के अध्यक्ष वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा समेत प्रमुख सचिव आयुष विभाग डीपी अहूजा, वैद्य मनोज नीसरी, आर उमा स्वामी, उमेश शुक्ला, विनोद बैरागी मौजूद रहे।

हमारे काढ़े को बड़े-बड़े एलोपैथिक डॉक्टर मांगकर पीते थे सीएम ने कहा कि हमारे काढ़े को बड़े-बड़े एलोपैथिक डॉक्टर मांगकर पीते थे। आयुर्वेद का कोई तोड़ नहीं है, यह प्रत्यक्ष अनुभव से सिद्ध होता है। अगर जीवन के किसी मोड़ पर आपको अपने शरीर से तालमेल बैठाने की जरूरत होती है, तो आयुर्वेद इसमें आपकी मदद जरूर करेगा। यह गारंटी है। हम अपने जीवन का हर पल जी रहे हैं, तो ऑक्सीजन हमें वनस्पति से ही मिल रही है। यह प्रकृति का परस्पर सह-अस्तित्व का सबसे बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुर्वेद हजारों साल पुरानी परंपरा है। आज जब दुनिया इसकी ओर जा रही है, तो हम एक तरह से इसके राजदूत हैं। हमारे प्रधानमंत्री तो इसके ब्रांड एंबेसडर हैं। प्रधानमंत्री भारत से बाहर जाकर भी हर मोर्चे पर आयुर्वेद को प्रमोट करते हैं।

आयुर्वेद को समझना है तो पहले भारत को समझना होगा अयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि अगर आयुर्वेद को समझना है, तो पहले भारत को समझना होगा। हमें आयुर्वेद को फिर से दुनिया के सामने स्थापित करना है। यह महासम्मेलन केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए है। हम इसका खोया हुआ गौरव वापस लाने का काम करेंगे। राष्टीय शिक्षा नीति भी कहती है कि आयुर्वेद में रिसर्च की आवश्यकता है। हमने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। इस महाविद्यालय का हमने पतंजलि एम्स, भोपाल और मैनिट के साथ शोध का कार्य शुरू किया है। इस महाविद्यालय में ई-लाइब्रेरी बनाने का काम भी शुरू किया गया है।

अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को राहत

- मानहानि मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर सुप्रीम रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने चुनावी रैली के दौरान अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी के लिए राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा ने अमित शाह के खिलाफ कथित टिप्पणी के लिए 2019 में राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। दरअसल, 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले चाईबासा में अपने एक सार्वजनिक भाषण के दौरान राहुल गांधी ने कथित तौर पर शाह के लिए 'हत्यारा' शब्द का प्रयोग किया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने राहुल की अपील पर जवाब मांगते हुए झारखंड सरकार और भाजपा नेता को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा कि नोटिस जारी किए जा रहे हैं। अगले आदेश तक मुकदमे की आगे की कार्यवाही पर रोक रहेगी। राहुल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि कई फैसले हैं, जो कहते हैं कि केवल पीड़ित व्यक्ति ही आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कर सकता है। मानहानि की शिकायत किसी प्रॉक्सी थर्ड पार्टी की ओर से दायर नहीं की जा सकती। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी पेश हुए। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। फैसले में शिकायत के संबंध में एक ट्रायल कोर्ट में उनके खिलाफ कार्यवाही को रद्द करने की उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया था।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- अपने मकसद से भटक रहा महाकुंभ

रील नहीं रीयल के लिए जाना जाता रहा है कुंभ

प्रयागराज। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ इन दिनों सुर्खियों में है। महाकुंभ मेला के दौरान माला विक्रेता मोनालिसा और आईआईटी बाबा अभय सिंह भी अपने-अपने कारणों से चर्चा में है। माला विक्रेता की नीली आंखों और सादगी के कारण लोग उसे 'मोनालिसा' कहकर पुकारने लगे हैं। मोनालिसा का वीडियो भी वायरल हो गया है। इन सब घटनाओं में कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जो बेवहज भी विवाद का रूप लेते नजर आते हैं। अब प्रयागराज के महाकुंभ की इन घटनाओं को लेकर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, 'महाकुंभ अपने मकसद से भटक गया है'। महाकुंभ में हिंदू राष्ट्र कैसे बने, इस पर विमर्श होना चाहिए। महाकुंभ में इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि सनातन कैसे बचेगा? हिंदुत्व कैसे जगेगा? ऐसे लोग जो हिन्दू नहीं हैं उनको घर वापसी कैसे कराई जाए। महाकुंभ इन सब चर्चाओं के लिए होना चाहिए। हिंदुओं की घर वापसी कैसे कराई जाए। इस पर काम होना चाहिए। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि मौजूदा वक्तमें विदेशी ताकतों के द्वारा भारत में धर्मांतरण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। देश के छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, केरल, तेलंगाना, ओडिशा, असम जैसे प्रदेशों में प्रलोभन देकर हिन्दुओं का धर्मांतरण कराया जा रहा है।

महाकुंभ वायरल का विषय नहीं धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि महाकुंभ वायरल का विषय नहीं है। महाकुंभ आस्था और संस्कृत को बढ़ाने का विषय है। महाकुंभ रील नहीं रीयल के लिए जाना जाता रहा है। बीते कई दिनों से देख रहा हूं महाकुंभ में कई लोगों की रील वायरल हो रही हैं। मैं इसके पक्ष में नही हूं। इसका विरोध करता हूं। महिमा मंडन एक दिन हो गया। महाकुंभ में विचार विमर्श होना चाहिए।

आदिवासी समुदाय का कराया जा रहा धर्मांतरण धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि एक समुदाय है जिसे हम प्रकृति मित्र कहते हैं। इस समुदाय को केवल चुनाव के समय याद किया जाता है। यह समुदाय शहरी शोरशराबे से दूर रहता है। इसने अपनी संस्कृति को सहेज कर रखा है। भगवान राम जब वन गए तब उनकी मदद इसी समुदाय ने की थी। लोग इस समुदाय को आदिवासी कहते हैं लेकिन हमारा मानना है कि यह अनादिवासी समुदाय है। ईसाई मिशनरियों की कुछ ताकतें इस समुदाय का धर्मांतरण करा रही हैं।

हनुमान चालीसा बागेश्वर मंडल बनाया जाएगा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि यदि भारत को यदि हिन्दू राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले हमें हिन्दुओं का धर्मांतरण रोकना होगा। इस संबंध में हमने एक नया प्रण ठाना है। हिन्दुत्व की रक्षा के लिए जिलों, गांवों और कालोनियों में हनुमान चालीसा बागेश्वर मंडल बनाया जाएगा। भविष्य में यदि सड़क पर उतरने की जरूरत पड़ी तो हनुमान चालीसा बागेश्वर मंडल के श्रद्धालु, सदस्य और सेवादार एक साथ सेना के रूप में सड़क पर उतरने के लिए तैयार रहेंगे। इसमें प्रमुख भूमिका आदिवासी समाज की होगी। हम धर्मांतरण के खिलाफ इसके जरिये पूरे देश में आदिवासियों को एकजुट करेंगे।

एक हाथी द्वारा अपने महावत पर घातक हमला करने की दुखद घटना के मद्देनजर नई साझेदारी बनी

इस्कॉन मायापुर के हाथियों को वंतारा में आजीवन देखभाल और सहायता मिलेगी

सिटी चीफ इंदौर।

दूरदर्शी परोपकारी अनंत अंबानी द्वारा स्थापित एक अत्याधुनिक पशु बचाव और पुनर्वास संगठन, वंतारा, दो गाय हाथियों, 18 वर्षीय बिष्णुप्रिया और 26 वर्षीय लक्ष्मीप्रिया का स्वागत करने के लिए तैयार है। कोलकाता के पास मायापुर में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन)। यह स्थानांतरण पिछले अप्रैल में एक दुखद घटना के बाद हुआ है जब बिष्णुप्रिया ने अपने महावत पर घातक हमला किया था, जो उनकी भलाई के लिए विशेष देखभाल और अधिक उपयुक्त वातावरण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। इस्कॉन के साथ साझेदारी में वंतारा द्वारा शुरू की गई स्थानांतरण परियोजना को त्रिपुरा उच्च न्यायालय द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति से पूर्ण मंजूरी मिल गई है और भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इसकी पुष्टि की गई है, जिसे सुरक्षित, तनाव मुक्त बचाव और सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। संकटग्रस्त जंगली जानवरों के लिए वातावरण। वंतारा में, बिष्णुप्रिया और लक्ष्मीप्रिया हाथी के प्राकृतिक आवास की नकल करने के लिए सोच-समझकर डिजाइन किए गए एक स्थायी घर में बस जाएंगे। यह श्रृंखला-मुक्त वातावरण विशेषज्ञ पशु चिकित्सा देखभाल प्रदान करेगा, जिसमें सकारात्मक सुदृढीकरण प्रशिक्षण में निहित मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन और उपचार शामिल हैं। उन्हें संवर्धन गतिविधियों, अन्य हाथियों के साथ मेलजोल और बंधन के अवसरों और उनके देखभाल करने वालों के दयालु ध्यान से भी लाभ होगा, ये सभी उनके पनपने के लिए आवश्यक हैं। इस्कॉन मायापुर 2007 से लक्ष्मीप्रिया और 2010 से बिष्णुप्रिया को रख रहा है, और उनका उपयोग मंदिर के अनुष्ठानों और विभिन्न त्योहार अवसरों के लिए कर रहा है। पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया और वर्ल्ड एनिमल प्रोटेक्शन सहित पशु संरक्षण संगठनों ने इस्कॉन हाथियों को एक विश्वसनीय और प्रसिद्ध हाथी देखभाल सुविधा में छोड़ने की वकालत की थी। पेटा इंडिया ने एक बचाव केंद्र में स्थानांतरित करने के बदले में मंदिर के अनुष्ठानों के लिए एक मशीनीकृत हाथी की भी पेशकश की। इस्कॉन मंदिर की वरिष्ठ सदस्य और मायापुर में महावतों और हाथियों की प्रबंधक ह्रीमती देवी दासी ने कहा कि इस्कॉन में हमारी मान्यताओं के अनुसार, हर कोई अपने बाहरी आवरण, या भौतिक शरीर के अंदर एक ही आध्यात्मिक आत्मा है। हम प्रजातियों या जातियों के बीच कोई भेदभाव नहीं करते हैं। अलग-अलग शरीरों की प्रकृति अलग-अलग हो सकती है; हालांकि, प्रत्येक शरीर के भीतर की आत्मा आध्यात्मिक प्रकृति की है और करुणा और सम्मान की पात्र है। जानवरों के साथ दया और सम्मान का व्यवहार करके, हम भगवान कृष्ण के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त करते हैं, जो हमें सिखाते हैं कि सच्ची सेवा सभी जीवित प्राणियों की रक्षा और पोषण करने में निहित है। स्वयं वंतारा का दौरा करने के बाद, मैं देख सका कि वहां उन्हीं सिद्धांतों का पालन किया जाता है जिन पर मैं विश्वास करता हूं। मुझे विश्वास है कि बिष्णुप्रिया और लक्ष्मीप्रिया वंतारा में फलें-फूलेंगे, जल्द ही नए दोस्त बनाएंगे, और जंगल में हाथियों की स्वतंत्रता और खुशी का आनंद लेते हुए एक पूर्ण जीवन जिएंगे। कैद में रहने से हाथियों को महत्वपूर्ण मानसिक पीड़ा होती है, जो जंगल में घूमने और सामाजिक रूप से बंधने की अपनी स्वतंत्रता पर निर्भर रहते हैं, जो उनकी समग्र भलाई सुनिश्चित करता है। कैद में, ये मूलभूत जरूरतें अक्सर पूरी नहीं होती हैं, जिससे गंभीर मनोवैज्ञानिक संकट पैदा होता है जो दोहराव वाले व्यवहार, अवसाद और आक्रामकता में प्रकट होता है। वंतारा में, बचाए गए हाथियों की देखभाल उनके शारीरिक स्वास्थ्य से परे, उनके मानसिक और भावनात्मक सुधार पर भी समान महत्व देती है। विशेषज्ञ पशुचिकित्सक और पशु मनोवैज्ञानिक आघात की पहचान करने और उसका समाधान करने के लिए विस्तृत मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन करते हैं। वंतारा की अत्याधुनिक सुविधाएं, जिसमें दुनिया का सबसे बड़ा हाथी अस्पताल भी शामिल है, सकारात्मक सुदृढीकरण प्रशिक्षण, उत्तेजक संवर्धन और उनके प्राकृतिक वातावरण की नकल करने वाले सामाजिक संपर्क के अवसरों के माध्यम से व्यक्तिगत मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। यह समग्र दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि बचाए गए हाथी न केवल अपनी शारीरिक ताकत हासिल कर लें, बल्कि भावनात्मक स्थिरता और मानसिक कल्याण भी प्राप्त करें, जो उनके पूर्ण कायाकल्प और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए वंतारा की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

स्मार्ट बाजार की पूर्ण पैसा वसूल सेल - सर्वोत्तम बचत गंतव्य!

सिटी चीफ इंदौर।

आज के दिन और युग में, कई परिवार अपने खर्च के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं और अधिक कुशलतापूर्वक और लगन से खर्च करने के रास्ते तलाश रहे हैं। लेकिन क्या होगा अगर अधिक खरीदना, अधिक बचत करना और बजट में सबसे कम कीमत पर अपनी जरूरत की हर चीज प्राप्त करना संभव हो?

स्मार्ट बाजार में प्रवेश करें, जो महंगाई के मीटर को मात देने और बजट के प्रत्येक पैसे का अधिकतम लाभ उठाने के लिए आपका वन-स्टॉप समाधान है। हमारी बहुप्रतीक्षित वार्षिक पूर्ण पैसा वसूल सेल यहां है, जो आपको पहले से कहीं अधिक अद्वितीय बचत की पेशकश कर रही है!

22 जनवरी से 26 जनवरी 2025 तक चलने वाली यह सेल उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर अद्वितीय छूट प्रदान करती है। देश भर में 900 से अधिक स्टोर के साथ, स्मार्ट बाजार आपके लिए बिना पैसे खर्च किए अपनी सभी आवश्यक वस्तुओं का स्टॉक करना आसान बनाता है।

यहां उन रोमांचक ऑफरों की एक झलक दी गई है जिनका आप इंतजार कर सकते हैं - 5 किलो चावल और 3 लीटर तेल मात्र रु. में। 799, 3 खरीदने पर कोल्ड ड्रिंक 1 मुफ्त, 2 खरीदने पर बिस्कुट 1 मुफ्त, डिटर्जेंट 33त्न छूट और भी बहुत कुछ!

चॉकलेट से लेकर घर की सजावट, सामान और पूरे परिवार के लिए परिधान तक उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर भारी बचत का आनंद लें। यह सब एक ही छत के नीचे उपलब्ध है!

ऐसे बेहतरीन सौदों के साथ, स्मार्ट बाजार यह सुनिश्चित करता है कि आपको अधिकतम बचत मिले, जिससे आपके लिए अपने पसंदीदा उत्पादों का स्टॉक करना आसान हो जाता है। चाहे वह किराने का सामान हो, गैर-किराना सामान हो, या घर और व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद हों, हमारे पास वह सब कुछ है जो आपके बटुए पर दबाव डाले बिना आपके घर को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक है।

स्मार्ट बाजार - पूर्ण पैसा वसूल सेल- आपके और आपके परिवार के लिए सर्वोत्तम मूल्य, सबसे बड़ी छूट और अंतिम बचत की पेशकश। अभी हमसे मिलें, और इन अविश्वसनीय ऑफर का अधिकतम लाभ उठाएं! महंगाई का मीटर हुआ फेल, आ गया फुल पैसा वसूल सेल!

ढाई माह की मासूम फांसी के फंदे से बच गई , मां और बेटे की जान गई

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पति की प्रताड़ना से तंग आकर एक महिला ने अपने दोनों बच्चों के साथ फंदा लगा लिया। मां और चार साल के बेटे की तो जान चली गई, लेकिन ढाई माह की बच्ची फंदे से ठीक तरह से नहीं फंसी और उसकी जान बच गई। जब देर तक उसके रोने की आवाज पड़ोसियों ने सुनी तो वे कमरे में पहुंचे, तब इस घटना का खुलासा हुआ। ढाई माह की बच्ची के गले के बजाए उसका स्वेटर फंदे में अटक गया था। इस कारण उसे कोई नुकसान नहीं हुआ। यह दर्दनाक घटना महू के बडगौंदा ग्रामीण क्षेत्र की है। यहां रहने वाली डिंपल गिरवाल ने अपने चार साल के बेटे काव्यांश और ढाई माह की बेटी के साथ कमरे में फांसी लगाई। बच्चों का फंदा डिंपल ने झूले पर बांधा। एक फंदा बेटे के गले में और दूसरा बेटी के गले में डाला। खुद ने पंखे पर फांसी का फंदा लगाया था। पड़ोसी पहुंचे तो दंग रह गए। फंदे पर डिंपल और काव्यांश लटके हुए थे और रो रही बेटी को फंदे से उन्होंने सुरक्षित निकाला। वह सकुशल है।

पांच साल पहले हुआ था विवाह

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अफसरों ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस को पता चला कि डिंपल का विवाह पांच साल पहले महू निवासी रोहित से हुआ था। वह शराब पीने का आदी है और नौकरी भी ठीक से नहीं करता था। आए दिन पैसे की तंगी को लेकर पति-पत्नी में विवाद होते थे। शराब के नशे में रोहित डिंपल के साथ मारपीट करता था। इससे तंग आकर वह अपने इंदौर स्थित फूटी कोठी मायके में आ गई थी, लेकिन रोहित फिर उसे व बच्चों को अपने साथ ले गया। इसके बाद डिंपल ने बच्चों के साथ आत्महत्या करने का फैसला लिया।पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मां और बेटे के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा

बेटी को संभालेंगे अब नाना नानी

अपनी मां और भाई को खो चुकी ढाई माह की मासूम की हालत ठीक है। वह फांसी के फंदे से बच गई, लेकिन अब उसका पालन पोषण परिजनों के लिए सबसे बड़ी चिंता है। फिलहाल वह नाना-नानी के पास रहेगी। परिजनों ने बताया कि नशे में डिंपल के साथ रोहित मारपीट कर चोट पहुंचता था और तरह-तरह के आरोप भी लगता था। कई बार हमने भी समझाने की कोशिश की, लेकिन वह प्रताड़ित करना नहीं छोड़ता था। बच्चों के रोजमर्रा की वस्तुएं भी वह नहीं लाकर देता था।

पार्षद कालरा हमले के आरोपी नेपाल में छिपे, जीतू भी उनके साथ

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। भाजपा पार्षद कमलेश कालरा के घर पर हुए हमले को 16 दिन बीत चुके है, लेकिन अभी तक 40 में से सिर्फ 16 आरोपियों की गिरफ्तारी हो गई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर गठित एसआईटी का काम भी ठंडा पड़ा है। हमले का मुख्य आरोपी पुलिस पार्षद जीतू यादव का भाई अभिषेक उर्फ अवि भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।पुलिस को पता चला है कि जीतू यादव के साथ अवि और अन्य आरोपी नेपाल में फरारी काट रहे है, हालांकि अभी इस केस में जीतू आरोपी नहीं बना है, लेकिन वह भी पांच आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद शहर से गायब हो गया था। फरार कुछ आरोपियों के परिजनों से पुलिस ने पूछताछ की है। उनके नेपाल में होने की जानकारी मिली है,हालांकि पुलिस को कोई दल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए नहीं गया है। हमले के 16 आरोपियों अभी तक पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में यहीं बताया कि जीतू के भाई अवि ने ही सबको इकट्ठा किया था और पार्षद कालरा के सिंधी कॉलोनी के निवास पर ले गया था। कालरा के नहीं मिलने पर उनके नाबालिग बेटे के साथ आरोपियों ने बदसलूकी की थी और घर में तोड़फोड़ भी की।

पांच दिनों तक तो पुलिस और भाजपा संगठन आपसी विवाद मानकर मामले को ज्यादा तूल देने से बचता रहा, लेकिन पार्षद के बेटे के साथ हुई बदसलूकी का वीडियो वायरल होने के बाद मुख्यमंत्री यादव ने इसे गंभीरता से लिया और फिर पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो गई। इसके बाद तो जीतू को संगठन ने छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने भी महापौर परिषद सदस्य से यादव को हटा दिया।

नकली नोटों के साथ पकड़ाया जबलपुर का युवक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर की लसूड़िया पुलिस ने एक युवक के पास से 23 हजार रुपए के नकली नोट पकड़े हैं। आरोपी ने आधे दाम पर यह नोट राजस्थान के अपने एक दोस्त से लेना कबूल किए है। नोट चलने के बाद उसे रुपए का भुगतान करना होता था। अब राजस्थान के आरोपी की पुलिस तलाश कर रही है। टीआई तारेश सोनी की टीम ने शनिवार देर रात इल्वा स्कूल के पास युवक शुभम रजक को नकली नोट चलाते हुए पकड़ा है। वह जबलपुर के लाड़गंज पुरानी मछरई निवासी है। अभी इंदौर में स्कीम नंबर 136 में रह रहा था। उसके पास 500 के 46 नोट मिले हैं। थाने लाकर पूछताछ की तो उसने ओर नोट होने की बात कबूली है। मामले में राजस्थान के महिलाल उर्फ मोहित बेड़ा निवासी जोधपुर राजस्थान की तलाश है। शुभम ने बताया कि वही उसे नोट मार्केट में चलाने के लिए देता था। इसके बदले उसे जब नोट चल जाए तो आधे रुपए उसे देना होते थे। पुलिस ने शुभम का सोमवार को कोर्ट से तीन दिन का रिमांड लिया है। अभी उससे ओर पूछताछ की जाएगी।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले- नेहरू डॉ. आंबेडकर की प्रतिभा से जलते थे

इंदौर। डॉ.भीम राव आंबेडकर की जन्मस्थली महू में होने वाली राहुल गांधी की प्रस्तावित यात्रा से पहले नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने उनकी यात्रा ढोंग बताते हुए कहा कि गांधी परिवार और कांग्रेस पर बाबा साहब के अपमान और उनके बनाए संविधान की हत्या करने का पाप लगा हुआ है। इससे मुक्ति के लिए राजनीतिक नौटंकी के बजाए राहुल को डॉ.आंबेडकर की जन्मस्थली पर उपवास कर प्रायश्चित करना चाहिए। विजयवर्गीय ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू बाबा साहब की प्रतिभा से जलते थे इसलिए उन्होंने हर जगह बाबा साहब को रोकने के षडयंत्र रचे। उन्होंने शुरूआत में बाबा साहब को संविधान सभा का सदस्य बनने नहीं दिया था। बाबा साहब अपने वैचारिक कद के कारण सभा के सदस्य बने और उन्होंने संविधान गढ़ा।नेहरू जी ने इसके बाद भी बाबा साहब के खिलाफ कई षडयंत्र रचे। देश के पहले लोकसभा चुनाव में नेहरू जी ने मुंबई में बाबा साहब को हराने के लिए उनके खिलाफ कई जनसभाएं ली। इससे भी काम नहीं चला तो देश में सबसे पहली बार नेहरू जी ने चुनाव के नतीजे में धांधली करवाकर बाबा साहब को लगभग 15 हजार वोट से हरवाया। विजयवर्गीय ने कहा कि नेहरू ने बाबा साहब के बनाए संविधान में जबरदस्ती वक्फ बोर्ड एक्ट जोड़ दिया और तानाशाह बनी इंदिरा गांधी ने तो संविधान को सूली पर लटकाकर आपातकाल लगा दिया। राहुल गांधी खुद बाबा साहब के संविधान से निर्मित भारत की संसद, न्यायपालिका, कार्यपालिका और भारत के खिलाफ अक्सर टिप्पणी करते है।

बहू की वर्जिनिटी पर उठाया सवाल घरेलू हिंसा का केस दर्ज

इंदौर। इंदौर में जिला कोर्ट ने पुलिस को घरेलू हिंसा का केस दर्ज करने के निर्देश दिए है। इंदौर में एक विवाहित महिला ने कोर्ट की शरण ली थी,क्योकि शादी के बाद से ही सास ने उसकी वर्जिनिटी पर सवाल उठाए थे,क्योकि शादी की पहली रात के बाद सफेद चादर पर खून नहीं गिरा था। महिला को लगातार ताने दिए जाते रहे। पीड़िता ने शादी के बाद मृत बच्ची को जन्म दिया तो उसका डीएनए टेस्ट कराने की बात भी कही गई। इसके बाद फिर महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया तो उसे मायके भेज दिया गया, जब ससुराल पक्ष के लोग उसे लेने नहीं आए तो पीड़िता ने इंदौर जिला कोर्ट की शरण ली।एडवोकेट कृष्ण कुमार कुन्हारे ने बताया कि कोर्ट ने घरेलु हिंसा का केस दर्ज करने के निर्देश दिए है। महिला और बाल विकास विभाग से भी जांच रिपोर्ट तलब की है। विभाग ने रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत कर दी। पीड़िता की शादी पांच साल पहले भोपाल में हुई थी, उसका मायका इंदौर में है। शादी की दूसरे दिन ही पीड़िता की वर्जिनिटी पर सास ने सवाल उठाए। बार-बार ताने मारे जाते थे और उसके साथ मारपीट भी की गई। तनाव के कारण एक बार विवाहिता का गर्भपात हो गया। दूसरी बात मृत बच्ची को जन्म दिया तो ससुराल पक्ष के लोगों ने बच्ची का डीएनए टेस्ट कराने का दबाव बनाया।

मां ने किया देहदान, कनाडा से बेटे ने वीडियो कॉल पर किए मां के अंतिम दर्शन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर की मनोरमागंज निवासी वंदना वाधवानी ने अपने निधन के बाद अपनी देह मेडिकल कॉलेज को दान कर समाज के लिए प्रेरणा बनने का काम किया है। इससे पहले उनके पति जवाहरलाल वाधवानी ने भी अपने निधन के बाद अपनी देह दान कर दी थी। जवाहरलाल वाधवानी का 29 अप्रैल 2024 को बीमारी के कारण निधन हो गया था। वंदना वाधवानी के निधन के बाद परिवार ने उनकी इच्छा के अनुसार उनकी देह भी मेडिकल कॉलेज को दान कर दी। दोनों पति-पत्नी परोपकारी स्वभाव के थे और उनका मानना था कि मृत्यु के बाद अगर उनकी देह किसी के काम आए, तो इससे बड़ा पुण्य कोई नहीं हो सकता। 71 वर्षीय वंदना वाधवानी की 17 जनवरी 2025 को अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिवार ने तुरंत एंबुलेंस बुलवाई, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनका निधन हो गया। डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ था।

आंखें भी आई बैंक को दी, त्वचा चोइथराम स्किन बैंक को

परिवार की सदस्य डॉ. मोना देव ने बताया कि नौ महीने पहले वंदना के पति जवाहरलाल वाधवानी का भी बीमारी के कारण निधन हो गया था। वे हमेशा अपनी देह दान करने की बात करते थे। उनकी इसी इच्छा के अनुसार, उनकी देह मेडिकल कॉलेज को दान की गई थी। पति के इस कदम से प्रेरित होकर वंदना ने भी इच्छा जताई थी कि उनकी देह भी दान की जाए। 18 जनवरी को उनकी देह एमजीएम मेडिकल कॉलेज को दान कर दी गई। इसके साथ ही उनकी आंखें एमके इंटरनेशनल आई बैंक और त्वचा चोइथराम स्किन बैंक को दान कर दी गई।

बेटा कनाडा में बेड रेस्ट पर है

वंधना वाधवानी के परिवार में बेटी पुनीता और बेटा जयेश हैं। पुनीता इंदौर में रहती हैं जबकि बेटा जयेश कनाडा में है। जयेश हाल ही में एक दुर्घटना के कारण बेड रेस्ट पर हैं। मां के निधन और उनकी देह दान की जानकारी मिलने पर उन्होंने सहमति दी। वीडियो कॉल के जरिये उन्होंने अपनी मां के अंतिम दर्शन किए और नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सनातन धर्म की रस्में पूरी की

वंधना वाधवानी की देह दान से पहले परिवार ने सनातन धर्म के अनुसार अंतिम रस्में पूरी कीं। पंडित की उपस्थिति में मुक्तिधाम जैसी विधि-विधान से कंडे जलाए गए, परिक्रमा की गई और प्रार्थना की गई। समाज ने वाधवानी दंपती के इस महान कार्य को सराहा है। सोमवार को गीता भवन में वंदना वाधवानी का उठावना हुआ। अगले हफ्ते 12वीं की रस्म होगी।

गरीबों के बच्चों ने लिखी सफलता की कहानी, कोई बाधा नहीं रोक पाई रास्ता

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। कहते हैं जहां चाह होती है वहीं राह होती है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2022 का फाइनल रिजल्ट हाल ही में घोषित किया है। इस एग्जाम में टॉप करने वासले ज्यादातर छात्र मध्यम वर्गीय और गरीब परिवार से आते हैं। इनके रास्तों में कई कठिनाइयां आईं लेकिन इन्होंने हर चुनौतियों को पार कर सफलता की कहानी लिखी है। यह उन युवाओं के लिए भी प्रेरणा के पात्र हैं जो गरीबी या आर्थिक स्थिति को अपने रास्ते का बाधा मानते हैं। जिन छात्र-छात्राओं ने इस एग्जाम में टॉप किया है उनमें से किसी के पिता ऑटो ड्राइवर हैं तो किसी के पिता सब्जी का ठेला लगाते हैं। गरीबी में पाले बढ़े इन बच्चों के पीछे ऐसा कोई बैकग्राउंड नहीं है जो सुनहरा रहा हो। लेकिन इनका सफलता ने इनके माता-पिता और गांव का भी नाम रौशन कर दिया है। किसी ने पांच बार में सफलता हासिल की तो किसी ने तीन बार में। वे अपने लक्ष्य से भटके नहीं और साल दर साल मेहनत करते

रहे और सफलता से अपनी नई कहानी लिखी है। कल तक जिन्हें कोई नहीं जानता था आज उनके मां-पिता का गांव में स्वागत हो रहा है। उनकी सफलता हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।

आशीष के पिता चलाते हैं सब्जी का ठेला

आशीष सिंह चौहान ने परीक्षा में 841 अंक हासिल किए हैं। इन्हें शिक्षा विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर की पोस्ट मिली है। आशीष सफलता पाने के लिए हर रोज 8 से 10 घंटे तक पढ़ाई करते थे। उनकी फैमिली ने भी उनका खूब सपोर्ट किया। आशीष भोपाल में किराए से कमरे में रहते हैं। उनके पिता सब्जी का ठेला लगाते हैं। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है इसके बाद भी उन्होंने अपनी गरीबी को अपनी सफलता में बाधा नहीं बनने दी।

ड्राइवर है ऋतिक सोलंकी के पिता

ऋतिक सोलंकी ने इस परीक्षा में सफलता हासिल की है। इनके पिता खंडवा एडीएम काशीराम बडोले की गाड़ी चलाते हैं। इनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। पिता रूप सिंह सोलंकी कम आमदनी में अपने पूरे परिवार को पाल रहे हैं। इनके छोटे बेटे ऋतिक सोलंकी ने एमपीपीएससी- 2022 की परीक्षा पास कर ली है। ऋतिक को ट्रेजरी ऑफिसर का पद मिला है। कुछ दिन पहले ही उनके बड़े भाई का सिलेक्शन वन विभाग में रेंजर के पद पर हुआ था।

ऑटो ड्राइवर की बेटी बनी डेप्युटी कलेक्टर

रीवा में ऑटो चालक की बेटी आयशा अंसारी का चयन डेप्युटी कलेक्टर के पद पर हुआ है। आयशा ने प्रदेश में 12वीं रैंक हासिल की है। आयशा ने घर पर ही सेल्फ स्टडी कर यह सफलता तीसरे प्रायस में हासिल की है। आयशा के पिता पिता पेशे से एक ऑटो ड्राइवर हैं। पिछले कुछ समय से अस्वस्थ होने के कारण घर पर ही रहते हैं।

किसान के बेटे हैं आदित्य तिवारी

नर्मदापुरम के रहने वाले आदित्य तिवारी ने इस परीक्षा में दूसरी रैंक हासिल की है। उनके पिता किसान हैं। वह नर्मदापुरम के कोठी बाजार में रहते हैं। इनका सिलेक्शन डेप्युटी कलेक्टर के पोस्ट पर हुआ है। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है फिर भी उन्होंने मेहनत में कोई कसर नहीं छोड़ी और सफलता की कहानी लिखी।

शिवानी अतिरिक्त सहायक विकास आयुक्त पद पर चयनित

गंजबासौदा की शिवानी राय अतिरिक्त सहायक विकास आयुक्त पद पर चयनित हुई हैं। उन्होंने अशोकनगर के पिपरई गांव में सरस्वती शिशु मंदिर से फिर नवांकुर विद्यापीठ से स्कूली पढ़ाई पूरी की। वर्तमान समय में वह त्योंथर में पटवारी के पद पर पदस्थ हैं। उनके पिता विनोद राय कृषक हैं।

इस बार किसानों को ज्यादा मिलेगा गेहूं का भाव

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार इस बार गेहूं किसानों को खुश करने की कमर कस चुकी है। इस बार गेहूं के समर्थन मूल्य का भाव ज्यादा दिया जाएगा। इस वर्ष गेहूं का समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। पंजीयन सोमवार से शुरू हो गए हैं। किसान घर बैठकर पंजीयन करा सकते हैं। इस साल राज्य में उपार्जन केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 4000 कर दी गई है, जो पिछले वर्ष 3694 थी। राज्य सरकार ने रबी सीजन की प्रमुख फसल गेहूं की सरकारी खरीद की तैयारियां शुरू कर दी है। लगभग एक माह बाद रबी फसल निकलना शुरू हो जाएगी। इस बार 50 लाख टन से अधिक गेहूं की खरीद करने का अनुमान रखा गया है। राज्य सरकार ने कहा है कि किसानों का गेहूं बढ़े हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। इस बार समर्थन मूल्य पर गेहूं का विक्रय करने वाले किसानों को 20 जनवरी से 31 मार्च तक का समय पंजीयन के लिए दिया गया है। इस अवधि में किसान अपनी फसल का पंजीयन करा सकेंगे। किसान पंजीयन की व्यवस्था को इस बार सुगम बनाया गया है। जिससे किसान स्वयं के मोबाइल से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। किसानों को पंजीयन केन्द्रों में लाइन नहीं लगाना पड़ेगी। इसको लेकर प्रदेश के सभी जिलों में तैयारियां शुरू हो गई है।

150 रुपए प्रति क्विंटल ज्यादा मिलेंगे

इस बार किसानों को गेहूं के 2425 रुपए प्रति क्विंटल मिलेंगे। पिछले वर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य 2275 रुपए था। इसमें राज्य सरकार द्वारा किसानों को 125 रुपए का अतिरिक्त बोनस देकर 2400 रुपए प्रति क्विंटल में खरीदा गया था। केंद्र सरकार ने इस वर्ष 2025-26 में 150 रुपए की बढ़ोत्तरी की है। 20 जनवरी से गेहूं उपार्जन के पंजीयन शुरू हो जाएंगे। जो किसान जिस बचत खाते में भुगतान चाहते हैं, वह आधार से लिंक होना जरूरी है। अन्यथा भुगतान संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था

पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र और एम.पी. किसान एप पर भी की गई है। पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केंद्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। इन केन्द्रों पर पंजीयन के लिये शुल्क राशि प्राप्त करने के संबंध में कलेक्टर निर्देश जारी करेंगे। प्रति पंजीयन के लिए 50 रुपये से अधिक शुल्क निर्धारित नहीं किया जाएगा।

पंजीयन के लिए ये दस्तावेज होंगे जरूरी

किसान के पास जमीन की ऋण पुस्तिका, आधार कार्ड, बैंक अकाउंट की पासबुक बैंक अकाउंट से आधार कार्ड लिंक होना चाहिए। आधार कार्ड लिंक नहीं है तो भुगतान अटक सकता है। पंजीयन के लिए भू-अभिलेख में दर्ज खाते, खसरा, आधार कार्ड का मिलान होना जरूरी है। गड़बड़ी होने पर सुधार तहसील कार्यालय में होगा। जनधन, अक्रियाशील संयुक्त बैंक खाता व फिनो, एयरटेल, पेटीएम बैंक खाता पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाइल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें।

पिछले साल ऐसी रही थी गेहूं खरीदी

बीते साल 6 लाख 16 हजार किसानों से 48 लाख 38 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया था। समर्थन मूल्य पर किसानों से गेहूं खरीदने के लिए राज्यभर में 3694 क्रय केंद्र बनाए गए थे। खरीदे गए गेहूं को ले जाने, हैंडलिंग और किसानों के तेज पेमेंट के लिए 2199 खरीद केंद्रों को गोदाम के रूप में भी इस्तेमाल किया गया था। बाकी 1495 क्रय केन्द्र समिति स्तर पर स्थापित किए गए थे।

... तो दुबई में नहीं है पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा?

जांच एजेंसियों को मिला बड़ा सुराग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले का मुख्य आरोपी, पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा, जांच एजेंसियों की पकड़ से दूर है। उसकी पत्नी दिव्या भी फरार है। माना जा रहा है कि सौरभ दिल्ली या उसके आसपास के शहरों में छिपा है। यह मामला वसूली और अवैध कमाई से जुड़ा है। पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसकी पत्नी दिव्या पर परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप है। दो केंद्रीय जांच एजेंसियां और मध्य प्रदेश लोकायुक्त पुलिस दोनों ही उन्हें ढूंढने में नाकाम रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, सौरभ दिल्ली और आसपास के शहरों में छिपा हुआ है। वह बेंगलुरु की दो मोबाइल सिम का इस्तेमाल कर अपने परिवार और दोस्तों के संपर्क में है।

भागा नहीं है सौरभ

सौरभ की मां उमा शर्मा का कहना है कि सौरभ कहीं भागा नहीं है। वह जल्द ही वापस आएगा। उसके दोनों बच्चे उनके पास हैं। हालांकि, लोकायुक्त पुलिस ने पहले अदालत में बताया था कि सौरभ और उसकी पत्नी संभवतः दुबई में हैं। लेकिन जांच एजेंसियों का मानना है कि वह भारत में ही है। जांच एजेंसियों को शक है कि सौरभ ने मध्य प्रदेश के बाहर कुछ राज्यों में प्रॉपर्टी में काफी निवेश किया है। इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। इस मामले में एक पूर्व ट्रांसपोर्ट कमिश्नर की भूमिका की भी जांच हो रही है।

परिवार के संपर्क में है सौरभ

पता चला है कि सौरभ अपने परिवार के संपर्क में है। लेकिन बातचीत में सावधानी बरती जा रही है। असली नामों की बजाय घर के नाम इस्तेमाल किए जा रहे हैं। सौरभ को घर में ह्यबंटीह्ण कहा जाता है। इससे पता चलता है कि वह जांच एजेंसियों से बचने के लिए काफी सतर्क है।

महाकुंभ 2025 की व्यवस्था में जुटे संगठनों का उज्जैन में होगा सम्मेलन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने धार्मिक नगरी उज्जैन में वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ की तैयारियां अभी से प्रारंभ कर दी हैं। सिंहस्थ महाकुंभ में लगभग 15 करोड़ से भी अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसकी व्यवस्था के लिए प्रदेश सरकार द्वारा प्रयागराज और हरिद्वार में कुंभ की व्यवस्थाओं का अध्ययन कर सिंहस्थ में भीड़ और यातायात प्रबंधन के लिए ड्रोन सर्वेक्षण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ की व्यवस्थाओं में संलग्न कंपनियों और स्टार्टअप्स को बुलाकर उज्जैन में एक सम्मेलन कराया जाएगा। सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की संभावित भारी संख्या में आमद को ध्यान में रखते हुए संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कि योजना है कि उज्जैन और इंदौर को सिंहस्थ के मुख्य केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां परिवहन, जल आपूर्ति, सीवेज सिस्टम और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। महाकुंभ 2025 की व्यवस्था में जुटे संगठनों और स्टार्टअप का उज्जैन में सम्मेलन आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ के प्रत्येक पहलू के प्रभावी प्रबंधन के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की महत्ता पर जोर दिया है। इसमें धर्मशालाओं का उन्नयन और निर्माण कार्यों के दौरान उज्जैन, इंदौर और देवास जिलों में स्वच्छता के साथ ही हरियाली में सुधार शामिल है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ आयोजन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागीय कार्यों को समय-सीमा में पूरा किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने निर्देश दिया है कि सभी कार्यों की प्रगति की पाक्षिक समीक्षा हो रही है। वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत स्तर पर इनकी सतत निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उज्जैन और इंदौर जिलों में निर्माण कार्य और मौजूदा सुविधाओं के उन्नयन के लिए टेंडर प्रक्रिया मार्च 2025 तक पूरी कर सभी आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर सितंबर 2025 तक पूरे कर लिए जाएं।

मध्य प्रदेश के बाघों को दूसरे राज्यों में भेजने से रोकें

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के वन्यजीवों को अन्य राज्यों में भेजने की प्रक्रिया पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने इस मुद्दे पर राज्य के वन विभाग और एनटीसीए को पत्र लिखकर बाघों को ओडिशा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ भेजने की कार्यवाही को रोकने की मांग की है। उन्होंने बाघों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं। शिकायत में एनटीसीए के निर्देशों पर ओडिशा में बाघों को भेजने से पहले वहां की सुरक्षा व्यवस्था और कानूनी प्रावधानों की समीक्षा करने की मांग की। यह भी उल्लेख किया कि पिछले साल ओडिशा के सिमलीपाल टाइगर रिजर्व में एक बाघ का शिकार हुआ था, जिसे लेकर चिंता जताई गई थी। इसके अलावा, 2018 में सतकोशिया टाइगर रिजर्व में भी एक बाघ का शिकार हुआ था, जो मध्य प्रदेश से भेजे गए थे।संजय धुबरी टाइगर रिजर्व से मादा बाघिन को ओडिशा भेजने की प्रक्रिया पर भी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में बाघों की संख्या बहुत कम है और वहां शिकार की स्थिति असुरक्षित है, इसलिए बाघों को वहां भेजना खतरनाक हो सकता है। इसके अलावा भोपाल सर्किल में रातापानी के बाघों में स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं हैं। बाघों में ग्रु1ड्में नामक बीमारी फैल रही है और एक बाघ की मौत भी हो चुकी है। इसके बावजूद वन विभाग द्वारा इस समस्या के समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने इस मामले में एनटीसीए से तत्काल दखल देने की अपील की है। वाइल्ड लाइफ एक्टविस्ट अजय दुबे ने एनटीसीए से आग्रह किया है कि वे अपने एसओपी और कानूनी प्रावधानों का पालन करते हुए बाघों को भेजने की प्रक्रिया को सुनिश्चित करें और उचित कदम उठाएं।

हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया ने एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। आपने अक्सर देखा होगा कि सरकारी अफसर अपने ढुलमुल रवैया को लेकर हमेशा चर्चा में रहते हैं। उनके काम करने की शैली हो या उनकी बॉडी हो, सब कुछ ढुलमुल सा रहता है, लेकिन आज हम आपको मध्यप्रदेश के एक ऐसे अधिकारी के बारे में बताने जा रहे हैं जिनकी पहचान 'फ्लाइंग डिप्टी कलेक्टर' के रूप में है। हम बात कर रहे हैं भोपाल के हुजूर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) विनोद सोनकिया की। उन्होंने एक बार फिर राज्य स्तरीय ओपन स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल हासिल करके

इतिहास रच दिया है। विनोद 400, 800 और 1500 मीटर में कई गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। इस बार उन्होंने 200 मीटर दौड़ में नंबर वन आकर स्वर्ण पदक हासिल किया है।बताया जा रहा है कि इस दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन स्टेट एथलेटिक्स फेडरेशन द्वारा भोपाल के सीएसआईएफ एथलेटिक्स ट्रैक पर किया गया था। इसमें राज्य के करीब 600 एथलीट शामिल हुए थे। इस प्रतियोगिता के आधार पर 4 मार्च से 9 मार्च तक बेंगलुरु में आयोजित होने वाली 45वीं नेशनल मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिये प्रदेश की टीम का चयन किया जायेगा।

पहले भी 4 बार पदक हासिल किए

एसडीएम विनोद सोनकिया ने नेशनल मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पहले भी 4 बार पदक हासिल किया है। जिसके आधार पर अब उनका चयन भारतीय टीम में वर्ल्ड मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप एवं एशियाई मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए किया गया है। वर्ष 2021 में भी सीएसआईएफ ग्राउंड भेल में 42वीं ओपन स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में विनोद सोनकिया ने 100 मीटर की रेस में गोल्ड मेडल हासिल किया था। ब्राजील, सिंगापुर और जापान में भी ओपन मास्टर्स टूनार्मेंट में भाग लेकर मेडल हासिल किए हैं।

जमीनी अफसर के रूप में है पहचान

विनोद सोनकिया की पहचान जमीनी अफसर के रूप में है। 8 अक्टूबर 2024 जब विनोद सोनकिया मुंडला गांव पहुंचे थे वे वहां जमीन पर ही बैठ गए और किसानों की समस्याओं को सुना था। तब किसानों के मुंह से यह कहते हुए सुना गया था कि ऊंची कुर्सी पर बैठने वाले अधिकारी को जमीन पर बैठा कम ही देखने को मिलता है।

युवाओं के लिए किया था कारनामा

जनवरी 2024 में विनोद सोनकिया ने बर्रई छीरखेड़ा गांव में खेत-सड़क में युवक-युवतियों को दौड़ते देखा था। यह देखकर सोनकिया ने उनके लिए कुछ करने की ठान ली थी। इसके बाद जनभागीदारी से लोगों को जोड़कर गांव में ही 400 मीटर का ट्रैक तैयार करवा दिया था। इसमें गांव के कुबेर सिंह गुर्जर और एक शिक्षक सुरेंद्र सिंह राजपूत ने उनकी मदद की थी। यहां पर अब कई युवा सेना में अग्निवीर बनने की तैयारी में जुटे हैं।

सम्पादकीय

ट्रंप युग में कैसी रहेगी भारत की अर्थव्यवस्था?

डोनाल्ड ट्रंप हमेशा से 'अमेरिका फर्स्ट' के नारे के साथ आगे बढ़े हैं। यह कुछ उसी तरह है, जैसे भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया का नारा देते आए हैं। अमेरिका फर्स्ट के नारे से करोड़ों अमेरिकी मतदाताओं की भावनाओं को प्रभावित किया जिन्होंने अमेरिका को फिर से महान बनाने की उनकी विचारधारा का समर्थन किया। अर्थव्यवस्था के कायाकल्प और लोगों की आर्थिक खुशहाली को बढ़ावा देने के वादे ने अमेरिकी मतदाताओं, खासकर भीतरी इलाकों में, मतदाताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, लेकिन साल 2024 में घटी आर्थिक घटनाओं के परिणामों पर दुनियाभर में काफी चिंता का माहौल है।

डोनाल्ड ट्रंप हमेशा से 'अमेरिका फर्स्ट' के नारे के साथ आगे बढ़े हैं। यह कुछ उसी तरह है, जैसे भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया का नारा देते आए हैं। अमेरिका फर्स्ट के नारे से करोड़ों अमेरिकी मतदाताओं की भावनाओं को प्रभावित किया जिन्होंने अमेरिका को फिर से महान बनाने की उनकी विचारधारा का समर्थन किया। अर्थव्यवस्था के कायाकल्प और लोगों की आर्थिक खुशहाली को बढ़ावा देने के वादे ने अमेरिकी मतदाताओं, खासकर भीतरी इलाकों में, मतदाताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, लेकिन साल 2024 में घटी आर्थिक घटनाओं के परिणामों पर दुनियाभर में काफी चिंता का माहौल है। काफी कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि डोनाल्ड ट्रंप जब दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं तो अमेरिका में क्या नीतिगत बदलाव आते हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक ने गत सप्ताह अपने आर्थिक अनुमान जारी कर दिए। उन्होंने इसमें अनिश्चितता का संकेत दिया, जो हमें अमेरिकी नीतिगत बदलावों से परे भी दिखता रहेगा। दोनों बहुपक्षीय संस्थानों का मानना है कि इस वर्ष वैश्विक वृद्धि स्थिर रहेगी मगर उनके अनुमान अलग-अलग हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का अनुमान है कि 2025 में विश्व अर्थव्यवस्था 3.3 फीसदी दर से विकसित होगी जबकि विश्व बैंक का अनुमान 2.7 फीसदी वृद्धि का है। किंतु आईएमएफ ने अपने अनुमान में स्पष्ट कहा है कि वृद्धि दर इस सदी के पहले दो दशकों की तुलना में कम रहेगी। विश्व बैंक के मध्यम अवधि के अनुमान में खास तौर पर उभरते बाजारों और विकासशील देशों के लिए उसका आकलन ऐसी तस्वीर पेश करता है, जो नीति निर्माताओं को चिंतित कर सकती है। रिपोर्ट कहती है कि वैश्विक वृद्धि में 60 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले ये देश जिस प्रति व्यक्ति आय के साथ इक्कीसवीं सदी के दूसरे चरण में प्रवेश कर रहे हैं उसके कारण उन्हें विकसित देशों के स्तर तक पहुंचने में पहले से भी अधिक समय लगेगा। मध्यावधि में धीमी वैश्विक वृद्धि का नतीजा भारत को भी भुगतना होगा। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पहले अग्रिम अनुमानों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 6.4 फीसदी दर से बढ़ेगी। यह गत वित्त वर्ष में हासिल 8.2 फीसदी की गति से बहुत धीमी है। अर्थशास्त्र के विद्वानों का तर्क है कि भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के बाद की तेज वापसी के पश्चात अपनी सामान्य वृद्धि दर की ओर लौट रही है। ऐसे में मध्यम अवधि की वृद्धि संभावनाओं को तेज करने पर ध्यान देना होगा। मध्यम अवधि में वृद्धि के पूर्वानुमान तो चुनौती भरे हैं ही, निकट भविष्य में भी अनेक जोखिम हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी संकेत किया है कि टैरिफ की नई लहर के रूप में संरक्षणवादी नीतियों के गहराने से व्यापार में तनाव बढ़ सकता है, निवेश घट सकता है, बाजार क्षमता में कमी आ सकती है, व्यापार का प्रवाह बिगड़ सकता है और आपूर्ति श्रृंखला में उथलपुथल मच सकती है। इससे मध्यम और निकट दोनों अवधियों में वृद्धि को झटका लग सकता है। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन से संरक्षणवादी नीतियों के साथ जिस तरह की मौद्रिक नीति की अपेक्षा है, उससे निकट भविष्य में अमेरिका की वृद्धि दर बढ़ सकती है। किंतु इसकी वजह से राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों में भारी बदलाव हुए तो दुनियाभर में धन के प्रभाव और डॉलर की ताकत पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अपने अनुमानों में बदलाव करते हुए दर में कटौती की रफ्तार मंद रखने की बात कही, जिसके बाद दुनियाभर में बॉन्ड यील्ड चढ़ गईं। हालांकि ज्यादा लोग फेड का रुख पलटने की बात नहीं कह रहे हैं मगर अमेरिका में शिथिल राजकोषीय नीति के साथ शुल्कों में इजाफा हुआ तो फेड को अपने रुख पर फिर विचार करने के लिए विवश होना पड़ेगा। दरें बढ़ने की संभावना बनी तो वैश्विक वित्तीय बाजारों में तगड़ी उठापटक हो सकती है। भारतीय नीति निर्माताओं के सामने फिलहाल जो चुनौती है वह है वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और दुनियाभर में कमजोर रुझानों के बीच देश में वृद्धि की संभावनाएं तेज करने की कोशिश। मुद्रा बाजार की गतिविधियां पिछले कुछ महीनों से चर्चा में हैं और उन पर काफी बहस देखने को मिली है। उदाहरण के लिए रिजर्व बैंक ने रुपए को थामने के लिए नवंबर में 20 अरब डॉलर खर्च कर दिए।

नागाओं और अघोरियों का अद्भुत संसार

हर बारह साल में आने वाला कुंभ विराटतम मेला है संतों-साधकों और आध्यात्मिक विभूतियों का। श्रद्धालु यहां स्नान व ज्ञान के साथ ही दिव्यता की अनुभूति करने आते हैं। संतों के कुल तेरह अखाड़े आज भी आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार पीठों के अनुशासन के अधीन कुंभ में वास-तप करते हैं। दशनामी संन्यासियों, बैरागियों, उदासियों के लाखों साधु यहां आए हैं। वहीं देशी-विदेशी श्रद्धालु यहां देखने आये हैं- नागा, अघोरी व किन्नर साधुओं का अद्भुत संसार।

प्रयागराज में कुंभ महापर्व के अवसर पर संतों का अद्भुत संसार सजा हुआ है। शंकराचार्य सहित अखाड़े, मठ, आश्रम सभी के आचार्य धर्मनगरी में विराजमान हैं। महाकुंभ में जगद्गुरु आद्य शंकराचार्य द्वारा स्थापित अखाड़ों का वैभव देखते ही बनता है। दशनामी संन्यासियों, बैरागियों, उदासियों और निर्मलों के लाखों साधु-संत कुंभ की शोभा बने हुए हैं।

प्रयागराज महाकुंभ मेले की रौनक के साथ ही विभिन्न अखाड़े धार्मिक रीति-रिवाजों और रोचक परंपराओं के लिये सुर्खियों में हैं। संगम में डुबकी लगाने वाले हर श्रद्धालु के मन में जिज्ञासा होती है विभिन्न अखाड़ों की गतिविधियों व तौर-तरीकों को जानने की। दरअसल, आदि शंकराचार्य के महामठामनाय में निर्धारित हैं जगद्गुरुओं और अखाड़ों के नियम-उपनियम। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अखाड़ों में कोई पद उत्तराधिकार से नहीं मिलता।

उल्लेखनीय है कि देश में चार पीठों के अलावा और कोई मठ नहीं है। अखाड़ों की संख्या अभी भी तेरह ही है। जिस किन्नर अखाड़े की आजकल खूब चर्चा हो रही है, वह जूना अखाड़े का हिस्सा भर है। तेरह अखाड़ों के साथ-साथ जूना अखाड़े से जुड़े किन्नर अखाड़े, गूदड़ अखाड़े और साध्वियों के माइवाड़े की दैनंदिन गतिविधियां विदेशी श्रद्धालुओं को बहुत आकर्षित कर रही हैं। बैरागी आणि अखाड़ों के निमोहीं, दिगम्बर और निवार्णी वैष्णव संत अपने तंबुओं में भक्तिधारा बहा रहे हैं।

इन्हीं संतों, अखाड़ों व आश्रमों के साथ अपने चारों ओर आग जलाकर साधना करते बाबाओं, नागा संन्यासियों, हठयोगियों और अघोरियों का अद्भुत संसार भी देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का मुख्य आकर्षण बना हुआ है। वर्ष 2021 के हरिद्वार कुंभ के दौरान किन्नर अखाड़ा बनाकर जूना अखाड़े ने थर्ड जेंडर का जिस तरह सम्मान बढ़ाया, वह सनातन संस्कृति का अनुपम उदाहरण है। नागा संन्यासियों के सात अखाड़े हैं। इनके नाम हैं जूना, अग्नि, आवाहन, निरंजनी, आनंद, महानिवार्णी और अटल। सभी तरह के अखाड़ों के स्नान का क्रम भी निर्धारित है। हर महाकुंभ के अवसर पर इनका पालन किया जाता है। प्रशासन इस बात को लेकर खासा सतर्क रहता है कि इस क्रम में किसी तरह का व्यवधान न हो, जिससे किसी अनावश्यक टकराव को टाला जा सके।

आद्य जगद्गुरु शंकराचार्य ने केरल के काल्डी ग्राम से निकलकर देश में संतई के नियमन हेतु चार पीठों की स्थापना की थी। इन पीठों पर आसीन होने वाले दसनाम संन्यासियों के लिए नियमों-उपनियमों तथा अधिकार क्षेत्रों का निर्धारण किया था। किसी शंकराचार्य के निधन के उपरांत काशी विद्वत् परिषद को दायित्व सौंपा गया था कि वे गिरी, पुरी, भारती, तीर्थ, आश्रम आदि उपनामों वाले दसनामियों के बीच शास्त्रार्थ कराकर नए शंकराचार्य का अभिषेक करें।

आदि शंकराचार्य ने उत्तर के बद्रीनाथ में ज्योतिर्पीठ, दक्षिण के श्रृंगेरी में श्रृंगेरी पीठ, पूर्व की जगन्नाथ पुरी में गोवर्धन पीठ और पश्चिम की द्वारिका में शारदा पीठ की स्थापना की थी। सनातन धर्म से संबंधित सभी निर्णयों और विवादों के निर्धारण का अधिकार उत्तर, दक्षिण, पूरब और पश्चिम स्थित इन्हीं चार मठों को दिया गया था। तथापि जैसे-जैसे अखाड़ों और आश्रमधारी बाबाओं का जोर बढ़ता गया , समय के साथ तमाम मर्यादाएं बदलती चली गई। शंकराचार्य जैसे सनातन जगत के सर्वोच्च पद की रिक्ति पूर्ति अब ब्रह्मलीन शंकराचार्य की इच्छा या वसीयत के आधार पर होने लगी है। आदि जगद्गुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित मान्यताएं और शंकर महामठामनाय लिखित मर्यादाएं अब बिखर रही हैं। पिछले वर्ष ज्योतिर्पीठ और शारदापीठ के दोनों पदों पर आसीन शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती के ब्रह्मलीन होने के बाद इन दोनों पीठों पर जिस प्रकार उत्तराधिकार के आधार पर जगद्गुरु विराजमान हुए, वह प्रकरण आज भी न्यायालयों में विचाराधीन है।

आदि शंकराचार्य ने उत्तर के बद्रीनाथ में ज्योतिर्पीठ , दक्षिण के श्रृंगेरी में श्रृंगेरी पीठ, पूर्व की जगन्नाथ पुरी में गोवर्धन पीठ और पश्चिम की द्वारिका में शारदा पीठ की स्थापना की थी। सनातन धर्म से संबंधित सभी निर्णयों और विवादों के निर्धारण का अधिकार उत्तर, दक्षिण, पूरब और पश्चिम स्थित इन्हीं चार मठों को दिया गया था। दसनाम संन्यासियों के निरंजनी, आनंद, महानिर्वाणी, अटल, जूना, अग्नि और आवाहन अखाड़ों का संचालन इन्हीं शंकराचार्य पीठों के अधीन था। सनातन हिन्दू धर्म के तमाम अधिकार इन्हीं चार मठों के हवाले थे और किसी भी विवाद का अंतिम निस्तारण शंकराचार्य करते थे। कालांतर में शंकराचार्यों का महत्व घटता चला गया और अखाड़ा परिषद, आश्रम परिषद, षड्दर्शन साधु समाज, संत समिति, आचार्य महामंडलेश्वर, महामंडलेश्वर, श्रीमहंत आदि प्रभावशाली होते चले गए। आद्य शंकराचार्य द्वारा स्थापित मान्यताओं को भुलाकर शंकराचार्यों की दर्जनभर नई पीठ संन्यासियों द्वारा बना ली गई। एक-एक पीठ पर कई-कई शंकराचार्य हो गए। शंकराचार्य पद शास्त्रार्थ के बजाय प्रभाव से मिलने लगे। यही स्थिति वीतराग स्वामी रामानंद महाराज द्वारा स्थापित जगद्गुरु रामानंदाचार्य पीठों की भी हुई। रामानुजाचार्य पीठ और बैरागियों के अखाड़े भी इसी तरह प्रभावित हुए। अनेक धाराएं अलग होती गई, अनेक तंत्र हावी होते रहे। वास्तव में शंकराचार्य जैसे वरिष्ठ पदों पर विद्वान संत आने चाहिए। चयन भी शंकर अनुशासन ग्रंथ के आधार पर होता रहा है। शंकराचार्य जैसे वरिष्ठतम धार्मिक पद पर आसीन होने वालों का चयन शास्त्रार्थ के माध्यम से होना चाहिए ताकि सर्वोच्च स्थान पर सर्वमान्य संत आसीन हो। विद्वत् परिषद के पदों पर भी योग्य विद्वानों का आना जरूरी है। यह तभी संभव है कि देश की आध्यात्मिक जनता को सही दिशा मिल पाए। उनके मन में किसी विषय विशेष को लेकर कोई दुविधा न हो।

गुरुनानक देव तथा तीजी पातशाही से संबद्ध उदासी अखाड़ों की संख्या अब दो है। इस परंपरा में लाखों साधु-संत हैं तथा चारों कुंभ नगरों सहित उदासीनों के अनेक आश्रम हैं।

अंतिम अखाड़ा सिख संतों से जुड़ा है जो निर्मल पंथ का अनुसरण करता है। बहरहाल सत्य सनातन सभ्यता का मूर्तरूप एक बार फिर से कुंभ के रूप में जीवंत हो उठा है। प्रयागराज में विभिन्न संप्रदायों, पंथों, खुलासों, अनियों एवं मढ़ियों की सांस्कृतिक परंपराएं साकार हो गई हैं। विश्व का महानतम जनकुंभ प्रारंभ हो चुका है। देश-दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु आध्यात्मिक लाभ के लिए प्रयागराज के महाकुंभ में जुट रहे हैं। वर्तमान में आपाधापी एवं सांस्कृतिक पराभव के दौर में कुंभ दर्शन एक बार फिर से प्राचीन सनातन जीवंत परंपराओं को साकार कर रहा है। निश्चित रूप से महाकुंभ में आने वाले देश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था व विश्वास को बनाये रखने

बच्चों की परवरिश-दिशा पर हो व्यापक चिंतन

भारतीय बच्चों की परवरिश एक महत्वपूर्ण विषय है, जो उनके भविष्य को आकार देता है। बच्चों की परवरिश के दौरान उन्हें विभिन्न मूल्यों, संस्कारों और ज्ञान की प्राप्ति होती है। लेकिन जब वे युवा बन जाते हैं, तो वे अपने जीवन की दिशा के बारे में सोचने लगते हैं। आजकल के युवा अपने जीवन की दिशा के बारे में बहुत सोचते हैं। वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन कई बार वे अपने जीवन की दिशा के बारे में सोचते समय भ्रमित हो जाते हैं। हम भारतीय बच्चों की परवरिश के बाद युवा किस दिशा में जाने के बारे में चर्चा करें, तो हम देखते हैं कि माता-पिता स्वयं संकुचित जीवन जीकर कम संसाधनों में जीवनयापन करके अपने बच्चों का जीवन बेहतर हो, इस बात के लिए चिंतित रहते हैं तथा अपनी अधिकांश कमाई बच्चों के भविष्य निर्धारण में खपाते हैं। साथ ही भारतीय बच्चों की परवरिश के दौरान उन्हें शिक्षा और करियर के बारे में बहुत जोर दिया जाता है। वे अपने माता-पिता और शिक्षकों से प्रेरणा लेते हैं और अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। आजकल के युवा अपने करियर के बारे में बहुत सोचते हैं।

वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन कई बार वे अपने करियर के बारे में सोचते समय भ्रमित हो जाते हैं और अपने जीवन को एक अलग ही दिशा में मोड़ लेते हैं, जहां से वापसी असंभव सी प्रतीत होती है। भारतीय बच्चों की परवरिश के दौरान उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी के बारे में भी सिखाया जाता है। वे अपने माता-पिता और शिक्षकों से प्रेरणा लेते हैं और समाज की सेवा करने के लिए काम करते हैं। आजकल के अधिकतर युवा अपने समाज की सेवा करने के लिए बहुत काम करते हैं। वे विभिन्न सामाजिक कार्यों में शामिल होते हैं और समाज की सेवा करने के लिए काम करते हैं।

वो तो ठीक है प्रशंसनीय है, मगर एक समय था जब ज्यादातर भारतीय माता-पिता अपने बच्चों के लालन-पालन से जुड़ी हर चिंता से तकरीबन मुक्त रहते थे। देश में जो नया मध्यवर्ग पिछले दो-ढाई दशक में तैयार हुआ है, वह अपने बच्चों के लालन-पालन, शिक्षा और भविष्य संबंधी तैयारियों से लेकर उनके लिए हर किस्म की सुख-सुविधाएं जुटाने के लिए काफी सक्रिय है। बच्चों को वह हर सहूलियत देना चाहता है, जो शायद उसे अपने बचपन में नहीं मिली, लेकिन इस चाहत ने अभिभावकों को न सिर्फ बेतहाशा खर्च का दबाव झेलने को मजबूर किया है, बल्कि ऐसे संकट भी पैदा कर दिए हैं जो जानलेवा भी साबित हो रहे हैं। कुछ समय पहले उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आधी रात के बाद एक आलीशान कार में सवार छह युवा हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना को लेकर काफी कुछ कहा गया। जैसे किसी ने दूसरी कार से होड़ लेने, तो किसी ने पार्टी से लौटते इन युवाओं के शराब के नशे में होने और कार की रफ्तार ज्यादा होने के अंदाजे लगाए। दुर्घटना से जुड़े तथ्यों की जांच में हो सकता है कि आखिर में कोई सच सामने आए। मगर एक चीज को फिर भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, वह है परवरिश। आज की पीढ़ी की परवरिश कैसी है, इसे शायद ही किसी जांच में परखा जाता हो। मगर देर रात पार्टी, नशीले पदार्थों का सेवन, आधुनिक फोन और गैजेट से लेकर फैशनेबल कपड़ों और महंगी कारों के शौकीन अठारह से बाइस-चौबीस साल के नौजवानों को देख कर लगता है कि उनकी जिंदगी में कोई अभाव नहीं है।

न उन्हें अपने भविष्य की चिंता है और न ही इसकी कोई फिक्र है कि अगर नौकरी नहीं मिली तो क्या होगा। जरूरी नहीं कि ऐसे दृश्य सिर्फ दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में आम हों। लखनऊ, चंडीगढ़, देहरादून, नोएडा, गुरुग्राम, हैदराबाद, हर मझोले और बड़े शहरों में करीब एक जैसी स्थिति दिखाई देती है। हिमाचल प्रदेश भी इन घटनाओं में शामिल है। शहरों में नए मध्यमवर्ग का एक हिस्सा ऐसा है जहां अभिभावक अपनी संतानों को महंगी से महंगी चीजें दिला रहे हैं। उन्हें इसकी परवाह भी नहीं है कि ऐसी बेशकीमती चीजें पाने वाले उनके बच्चे उसकी कीमत और उनके इस्तेमाल की समझ भी रखते हैं या नहीं। आज देश के उच्च शिक्षण संस्थानों, खासकर महंगे निजी विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र हर छोटे अंतराल पर पार्टी करने, देर रात कारों में सवार होकर सडकों पर हुड़दंग मचाने, नाचने और तेज रफ्तार से वाहन चलाते हुए स्टंट करने में लिप्त पाए जाते हैं। बेहद गंभीर पक्ष यह है कि देश के ज्यादातर बड़े शहरों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेपें पकड़े जाने की कई खबरें आई हैं। ये नशीले पदार्थ वहां किसके लिए पहुंच रहे हैं, इसे हर कोई जानता है। इन सब चीजों को आपस में जोड़ने वाली कड़ी है वह धन, जो अभिभावक अपनी संतानों को बिना यह जाने मुहैया करा रहे हैं कि वे इस पैसे का क्या करेंगे। अब खुद अभिभावक बच्चों को सुख-सुविधाएं जुटा कर दे देते हैं जिसे हासिल करने के लिए उन्हें लंबा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे अभिभावक शायद इस बात को नहीं सोचते कि हर चीज लाकर देना कहीं हमारे बच्चों में उदासीनता का कारण तो नहीं बनेगा। अभिभावक भी मानो इस अपराधबोध से ग्रस्त रहते हैं कि जो चीजें उन्हें उनके मां-बाप नहीं दे सकते, नहीं दे सके, अगर वे अपने बच्चों को नहीं दिला पाए, तो उनमें कोई हीनभावना आ जाएगी। इसलिए मूल प्रश्न यह है कि क्या अभिभावक इस प्रवृत्ति में छिपी कई समस्याओं और उनके अर्थ को समझ पाएंगे?

युवा पीढ़ी की परवरिश कैसी है, इसे परखा जाना चाहिए। देर रात पार्टी, नशीले पदार्थों का सेवन, आधुनिक फोन और गैजेट से लेकर फैशनेबल कपड़ों और महंगी कारों के शौकीन अठारह से बाईस चौबीस साल के नौजवानों को देख कर लगता है कि उनकी जिंदगी में कोई अभाव नहीं है। न उन्हें अपने भविष्य की चिंता है और न ही इसकी कोई फिक्र है कि अगर नौकरी नहीं मिली तो क्या होगा? जरूरी नहीं कि ऐसे दृश्य सिर्फ दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में आम हों। बल्कि हर मझोले और बड़े शहरों में करीब एक जैसी स्थिति दिखाई देती है। हमारे देश में बीते दो-तीन दशकों के बीच जो नवधनाढ्य या नया मध्यमवर्ग सामने आया है, उसमें दिखावा अधिक प्रतीत होता है। नव-धनाढ्य में कई बार तो दिखावा इतना अधिक बढ़ गया है कि माता-पिता अपने बच्चों की जरूरतें पूरी करने के लिए भारी-भरकम कर्ज ले लेते हैं। नई पीढ़ी की परवरिश, उनकी दिशा और दशा पर व्यापक चिंतन होना चाहिए।

शॉर्ट सर्किट से एक मकान में लगी आग

फायर बिग्रेड की गाड़ी ने आग पर पाया काबू

गौरव सिंघल। सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, सहारनपुर जनपद की थाना सदर बाजार की शिवाजी नगर कॉलोनी में शॉर्ट सर्किट से एक मकान में आग लग गई। आग से आसपास मकानों में रहने वाले लोग दहशत में रहे। बाद में फायर बिग्रेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। दिल्ली रोड पर शिवाजी नगर में सुशील का मकान है। वह किसी काम से बाहर गए हुए थे, उसके बच्चे घर पर ही थे। अचानक घर के इन्वर्टर में शॉर्ट हुआ। जिसके बाद धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग लग गई। बच्चों ने पिता को फोन कर आग लगने की जानकारी दी। पड़ोसियों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। थोड़ी देर बाद फायर बिग्रेड की गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया। सुशील ने बताया कि आग से एसी, फ्रिज, इन्वर्टर, कपड़े और बच्चों की किताबें जलकर राख हो गईं है।

पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक दुकानदार को चीनी मांझा बेचते हुए किया गिरफ्तार

कब्जे से पुलिस ने 30 गट्ठू यानी 16 किलो प्रतिबंधित चीन का मांझा किया बरामद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, सहारनपुर महानगर में तमाम सख्ती के बावजूद चीनी मांझे की बिक्री नहीं रुक रही है। शहर कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक दुकानदार को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से पुलिस ने 30 गट्ठू यानी 16 किलो प्रतिबंधित चीन का मांझा बरामद किया है। चीन का मांझा बेचने वालों पर पुलिस की कार्रवाई का डर नहीं दिख रहा है। दुकानदार चीन के मांझे को बेच रहे हैं। दुकानदारों ने मांझे को दुकान के बजाय घरों में रखा हुआ है, ताकि चेकिंग के दौरान न पकड़ा जा सके। प्रतिबंधित चीन के मांझे को लेकर पुलिस आए दिन लोगों को जागरूक कर रही है। शहर कोतवाली पुलिस जनता रोड पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने दुकान पर चीन का मांझा बिकता मिला। पुलिस ने दुकानदार देवेंद्र कुमार निवासी वाल्मीकि बस्ती को पकड़ लिया। पुलिस को उसके कब्जे से 30 गट्ठू यानी 16 किलो प्रतिबंधित चीन का मांझा बरामद हुआ है।

जल्द बन जाएगा हस्तिनापुर- चांदपुर मार्ग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सांसद चंदन चौहान को दिया भरोसा

सुरेंद्र सिंघल/गौरव सिंघल । वरिष्ठ पत्रकार (उ प्र) लखनऊ । मुजफ्फरनगर, रालोद के युवा सांसद चंदन चौहान ने आज कहा कि वह लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले है। उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष हस्तिनापुर-चांदपुर मार्ग, मवाना-मखदुमपुर मार्ग समेत अनेक समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जुलाई माह से पहले ही मेरठ को बिजनौर से जोड़ने वाले मार्ग का निर्माण हो जाएगा। इस मार्ग का चौड़ीकरण भी होगा।

श्मशान की भूमि पर दो पक्षों के बीच हुई फायरिंग के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

नगर पालिका सफाई कर्मियों ने रखी हडताल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर । देवबंद, बीते शनिवार को श्मशान की भूमि पर दो पक्षों के बीच हुई फायरिंग के मामले में वाल्मीकि समाज और पुलिस की ओर से दो अलग-अलग रिपोर्ट दर्ज हुई हैं। जिसमें 22 नामजद और 55 अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। जबकि दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने फायरिंग प्रकरण में वाल्मीकि समाज के अविनाश की तहरीर पर दुगचाड़ा गांव निवासी युवराज, मिरगपुर निवासी बंटी, सचिन, घलौली गांव निवासी अभिषेक त्यागी, नागल थाना क्षेत्र के गांव जोला निवासी सौरभ, रजत और देवबंद के मोहल्ला शाहजीलाल निवासी तंजीम खान, दिलनवाज, नौशाद, राहुल और प्रियांशु के अलावा 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने तंजीम खान और बंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। जबकि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें देहरादून, मुजफ्फरनगर समेत अन्य शहरों दबिश दे रही हैं।उधर, कोतवाली के उपनिरीक्षक विकास चारण की ओर से वाल्मीकि बस्ती निवासी राहुल, सावन, आकाश, दीपक चंचल, आशीष, अविनाश, अनिकेत, सन्नी, कुलदीप, विनीत, दीपक आदि नामजद किए गए 11 लोगों के विरुद्ध पुलिस ने कब्जे की नीयत से हथियारों से एक-दूसरे पर हमलावर होने और आतंक का माहौल पैदा करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की है। जिसमें 55 अज्ञात भी शामिल हैं।

राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने वाल्मीकि समाज के लोगों के बीच पहुंचकर उन्हें उक्त मामले में उचित कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा दस्तावेजों में गडबडी कर भूमि को कब्जाने का प्रयास किया गया था।जिसको लेकर टकराव हुआ। सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर गई। जिन्होंने घटना को अंजाम दिया है, उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। उक्त जमीन के भू-अभिलेखो की जांच कराकर बाल्मीकी समाज का जो सम्मान है उसे बरकरार रखा जाएगा।

सरकार भूमाफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। उधर पालिका सफाई कर्मी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर आज हडताल पर चले गए। जिससे नगर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लग गए। कूडा सडको पर फैलने के कारण मोहल्लों और बाजारों में चलना मुश्किल हो गया है।

विंध्य गौरव अवार्ड में सम्मानित हुए पत्रकार उमेश कुशवाहा

पत्रकारिकता में विशेष योगदान के लिए किया गया सम्मानित

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, सीमेंट नगरी सतना में रहते हुए पत्रकारिता जगत में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कई राष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित पत्रकार उमेश कुशवाहा को एक बार फिर मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी मिनी मुंबई के नाम से जाने जाने वाले शहर इंदौर में पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है ज्ञात हो कि उक्त कार्यक्रम स्नेहा इवेंट्स एंड मैनेजमेंट द्वारा आयोजित विंध्य गौरव अवार्ड सीजन 4 था। जिसमें कई राजनीतिक व फिल्मी हस्तियां मौजूद रहीं इस दौरान विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कई महनीय जनों का सम्मान हुआ। सतना से पहुंचे पत्रकार उमेश कुशवाहा को पत्रकारिकता में विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया पत्रकार उमेश कुशवाहा को फिल्म ग़दर 2 में अभिनय करने वाले फिल्म अभिनेता अर्जुन द्विवेदी एवं फिल्म अभिनेता कपिल खादीवाला वा महाकाल की गुलामी से मेरा काम हो रहा है गीत के गीतकार किशन भगत एवं स्नेहा इवेंट के विष्णु मिश्रा के हाथों सम्मानित किया गया है पत्रकार उमेश कुशवाहा के उपलब्धि पर विंध्य क्षेत्र के पत्रकारों ने साहित्यकारों ने समाजसेवियों ने हर्ष व्यक्त किया है वह शुभकामनाएं बधाई दी है।

मध्यप्रदेश में भाजपा नेता का वीडियो वायरल

खतरनाक ड्राइविंग और पिस्टल मामले में हुई कार्यवाही

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले में बाइक पर स्टंटबाजी करते और पिस्तौल से हवाई फायर करते खुद को भाजपा युवा नेता बताने वाले एक युवक का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल होने और मीडिया की सुर्खियां बनने के तुरंत बाद कोतवाली पुलिस एक्शन में आई और स्टंट करने वाले तथाकथित भाजपा युवा नेता को बाइक सहित दबोच लिया। पकड़े यह भाजपा के युवा नेता अंश तोमर की सोशल मीडिया में बड़े बड़े भाजपा के नेताओं के साथ फोटो है यहां तक कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री के साथ भी इसके काई फ़ोटो सोशल मीडिया में वायरल भी हो चुकी है। फिलहाल युवा नेता की बाइक को जप्त करते हुए खतरनाक तरीके से बाइक चलाने के आरोप में युवा नेता के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की जा रही है और उससे पिस्टल के संबंध में भी पूछताछ जारी है। पकड़े यह भाजपा के युवा नेता अंश तोमर की सोशल मीडिया में बड़े बड़े भाजपा के नेताओं के साथ फोटो है यहां तक कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री के साथ भी इसके काई फ़ोटो सोशल मीडिया में वायरल भी हो चुकी है। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया कि सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के आधार पर भाजपा का युवा नेता अंश तोमर नामक युवक को उसकी बाइक सहित पकड़ा गया है। खतरनाक तरीके से बाइक चलाकर अन्य राजगीरों को खतरे में डालने के आरोप में उसके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के सख्त कार्यवाही की जा रही है। उक्त युवक से पिस्टल के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। जांच पड़ताल के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। शहर कोतवाल आशीष शर्मा ने कहा कि शहर की हवा बिगाड़ने या फिर उपद्रव मचाने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति को बक्सा नहीं जाएगा। आमजन की सुरक्षा के लिए पुलिस हमेशा तत्पर है और तत्काल कार्यवाही करने के लिए प्रतिबद्ध भी है।

मेहनतकश किसानों को सक्षम बनाने में विज्ञान

प्रौद्योगिकी एवं कृषि वैज्ञानिको का है महत्वपूर्ण योगदान: मंत्री रामविचार नेताम

राजीव खरे । सिटी चीफ (छग) रायपुर, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि मेहनतकश किसानों को सक्षम बनाने में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं कृषि वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान है। इसी का परिणाम है कि आज किसान उन्नत कृषि तकनीक का उपयोग कर आत्मनिर्भर बन रहे है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों की उन्नति एवं समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार देश के अन्य राज्यों की तुलना में किसानों को धान का वाजिब मूल्य प्रदान कर उनका सम्मान बढ़ाया है। मंत्री श्री नेताम आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वद्यालय के 39 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उक्त बाते कही। इस मौके पर विश्वद्यालय द्वारा मंत्री रामविचार नेताम को राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान के लिए लॉइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही कृषि एवं शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए कुलपति डॉ. गिरिश चन्देल, किसान नारायण भाई चावड़ा, शिक्षक बी.आर. चन्द्रवशी तथा डॉ. एम.एन श्रीवास्तव भी लॉइफ टाइम अचीमेंट पुरस्कार से सम्मानित हुए। कृषि मंत्री ने इस अवसर पर ''कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक अनुसंधान पहल'' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया।कृषि मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सहित देश के किसानों को कृषि और उद्यानिकी क्षेत्र में और कैसे सक्षम बनाया जाए इस दिशा में कृषि वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों को सोचने की जरूरत है हमारी सरकार किसानों को सक्षम बनाने के लिए किसान हित में बहुत से फैसले लिए है। हमारी सरकार ने किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तथा 31 सौ रूपए प्रति क्विंटल के मान धान खरीद कर किसानों को देश में सर्वोच्च कीमत प्रदान कर रही है। वहीं किसानों को किए गये वायदों के मुताबिक लगभग 3800 करोड़ रूपए की बोनस राशि भी प्रदान की गई है। इससे प्रदेश के किसान आर्थिक रूप से समृद्ध हुए है।कृषि मंत्री ने कहा कि केसर, अखरोट सहित अन्य चिन्हाकिंत फसलों के लिए जम्मू-कश्मीर की अपनी एक अलग पहचान है। यह पहचान वहां के मेहनतकश किसानों के परिश्रम से बना है। वहां के किसान कॉपरेटिव सेक्टर बना कर एवं एग्रो से जुड़कर किस तरह से उन्नत कृषि कर रहें है। कार्यशाला में इस क बारे में भी जानने एवं समझने को मिलेगा उन्होंने इंदिरा कृषि विश्व विद्यालय के 39वें स्थापना दिवस एवं कार्यशाला के लिए बधाई एवं शुभकामानाएं दी कार्यशाला को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चन्देल ने भी संबोधित किया। कार्यशाला इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर एवं राष्ट्रीय कृषि विकास सहकारी लिमिटेड, बरामूला (जम्मू-कश्मीर) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई थी।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर के 21 राज्यों के 400 से अधिक कृषि वैज्ञानिक एवं शोधार्थी शामिल है। सम्मेलन में वैश्विक परिदृष्य में भूमि, जल तथा पर्यावरण के क्षेत्र में विद्यमान अवसरों एवं चुनौतियों पर विचार मंथन कर संसाधनों का बेहतर उपयोग कर इनमें निरंतर होने वाली कमियों को सुधारने के रास्ते तलाशे जाएंगे। सम्मेलन में संबंधित विषयों पर वैज्ञानिकों तथा शोधार्थियों द्वारा शोध पत्र तथा पोस्टर्स प्रस्तुत किया गया।उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की स्थापना 20 जनवरी 1987 को हुई थी। इस विश्वविद्यालय को छत्तीसगढ़ प्रदेश में कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार की जिम्मेदारी दी गई है, जिसे विश्वविद्यालय अपने 28 कृषि महाविद्यालय, 4 कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, 1 खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, 08 अनुसंधान केन्द्र एवं 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से संचालित कर रहा है। विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में वर्तमान में लगभग 9000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें स्नातक पाठ्यक्रमों में 2763, स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रमों में 500 तथा शोध पाठ्यक्रमों (पी.एच.डी.) में 115 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहें हैं। विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् 52 फसलों की लगभग 162 प्रजातियों का विकास किया गया है एवं कृषि से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए 100 से अधिक तकनीकें विकसित की गई हैं।

सड़क निर्माण के लिए सैद्धांति स्वीकृतिः जगन्नाथ चौक से घंटाघर तक सड़क

निर्माण को लेकर दी गई सैद्धांतिक स्वीकृति, आयुक्त को दिए गए वित्तीय अधिकार

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, नगर निगम में सोमवार को परिषद की बैठक का आयोजन किया गया। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने बताया कि परिषद की बैठक में जगन्नाथ चौक से घंटाघर तक की सड़क निर्माण को पिछली परिषद की बैठक में ही सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी गई थी। सोमवार को हुई परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया कि सैद्धांतिक स्वीकृति देने के बाद वित्तीय अधिकार नगर निगम आयुक्त को दिए जाएं। जिसके बाद उन्हें सारे वित्तीय अधिकारी दे दिए गए हैं। अब सड़क निर्माण का कार्य नगर निगम आयुक्त द्वारा कराया जाएगा। महापौर ने बताया कि जगन्नाथ चौक से घंटाघर तक की सड़क में पांच बड़े नाले हैं। सड़क की समस्या का स्थाई समाधान किया जाएगा। जिसके तहत सड़क चौड़ीकरण किया जाएगा। कब्जे हटाए जाएंगे। नगर निगम आयुक्त से कहा गया जल्द से जल्द सड़क का निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि डामर की लेयर डालने से सड़क की समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। सड़क से भारी वाहन निकलते हैं ऐसे में डामर की लेयर क्षतिग्रस्त हो जाएगी। फिर वही समस्या जनता के सामने आ जाएगी। लिहाजा सड़क की समस्या का स्थायी हल यही है कि चौड़ीकरण होने के बाद मजबूत सड़क बनाई जाए। ताकि जनता को स्थाई सुविधा मिले और बारिश के दिनों में सड़क पर भरने वाले पानी की समस्या का निजात मिल सके।

गणतंत्र दिवस समारोह हर्ष और उल्लास से मनाया जायेगा - कलेक्टर

भारत पर्व का आयोजन मानस भवन दमोह में शाम 06 बजे से

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी) स्टेडियम ग्रांउड में बड़े हर्ष और उल्लास से मनाया जायेगा। ध्वजारोहण का कार्यक्रम निर्धारित समय पर होगा। सभी सबंधित अधिकारी दिए गए निर्देशों के तहत कार्यवाहियां सुनिश्चित करें। इस आशय के निर्देश कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, अपर कलेक्टर मीना मसराम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा सहित सबंधित अधिकारी मौजूद रहे।कलेक्टर सुधीर कोचर ने कहा सभी कार्यालय प्रमुख अपने-अपने कार्यालयों में निर्धारित समय पर ध्वजारोहण कर अपने अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों सहित मुख्य कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहेंगे। मंच निर्माण हेतु कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग की जिम्मेदारी रहेगी। इस कार्य में वन मंडल अधिकारी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी दमोह व आर.आई पुलिस का सहयोग प्राप्त करेगें एवं मंच की सजावट व गमलों की व्यवस्था सहायक संचालक उद्यान दमोह द्वारा की जायेगी। इस व्यवस्था से संबंधित फ्लेग कोड आफ इंडिया के नियमों का विशेष ध्यान रखा जाये। मुख्य अतिथि के लिए परेड निरीक्षण हेतु जिप्सी वाहन की व्यवस्था, वाहन की जांच एवं सजावट का कार्य रक्षित निरीक्षक द्वारा किया जाएगा। रंगीन गुब्बारों की व्यवस्था आबकारी अधिकारी द्वारा की जाएगी। परेड का संचालन रक्षित निरीक्षक पुलिस द्वारा किया जायेगा। परेड में विशेष पुलिस बल, पुलिस बल, होमगार्ड को शामिल किया जायेगा। रक्षित निरीक्षक पुलिस परेड में सम्मिलित होने वाले जवानों को परेड की रिहर्सल का स्थान एवं समय निर्धारित करेंगे एवं प्रभारियो को सूचित करेंगे, ताकि परेड मे सम्मिलित होने वाले सभी उपस्थित हो सके। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा 24 जनवरी 2025 को प्रात: 09 बजे से स्टेडियम में परेड की अंतिम रिहर्सल होगी। परेड में शासकीय विद्यालयों के एन.एसी.सी./एन.एस.एस./स्काउट गाईड, शौर्या दल/आपदा मित्र/स्वसहायता समूह/संकट के साथी/रेडक्रास आदि को शामिल किया जायेगा। परेड अभ्यास के दौरान मेडीकल व्यवस्था एवं पानी की व्यवस्था संबंधित विभाग द्वारा किये जाने के निर्देश दिये गये।

कलेक्टर ने कहा मुख्य कार्यक्रम 26 जनवरी 2025 को कार्यक्रम स्थल पर परेड में भाग लेने वाले सभी के लिये पानी तथा एनर्जी ड्रिंक की व्यवस्था खाद्य विभाग द्वारा की जायेगी। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दमोह के मार्गदर्शन में तहसीलदार दमोह, मुख्य नगरपालिका अधिकारी दमोह एवं पुलिस विभाग समारोह में आमंत्रित स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों के परिजन, लोकतंत्र सैनानी, कारगिल युद्व में शहीद हुये सैनिको के परिवारों, गणमान्य नागरिकों, पत्रकारों एवं महिलाओं के बैठने के लिए पृथक-पृथक खण्ड बनाये जायें। प्रोटोकाल संबंधी पूर्ण दायित्व अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दमोह का होगा।

कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों के परिजन, शहीद सैनिकों के परिजन एवं लोकतंत्र सैनानी हेतु तहसीलदार दमोह/दमयंतीनगर, नायब तहसीलदार, अधीक्षक भू-अभिलेख, पत्रकार हेतु सहायक संचालक जनसंपर्क, गणमान्य नागरिक हेतु कोषालय अधिकारी, सहायक कोषालय अधिकारी, सहायक यंत्री सर्व शिक्षा अभियान एवं महिलाओं हेतु सहायक प्राध्यापक शास. क. ने. म. महा. , सहायक प्राध्यापक शास. क. ने. म. महा. , प्राचार्य शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या शाला एवं माध्यमिक शिक्षिका शासकीय रानीदुर्गावती हाई स्कूल को दायित्व सौंपे गये है। कलेक्टर सुधीर कुमार ने कहा कार्यक्रम स्थल पर आवश्यकतानुसार ध्वनि विस्तारक यंत्रों की व्यवस्था मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा की जायेगी। विद्युत की समुचित पूर्ति का उत्तरदायित्व संभागीय यंत्री म.प्र.वि.मं. का होगा। साथ ही जनरेटर की व्यवस्था भी उनके द्वारा की जायेगी। रिहर्सल में भी विद्युत आपूर्ति निर्वाध बनाये रखी जाये। कार्यक्रम स्थल पर लगाये गये विद्युत के सभी उपकरणों तथा विद्युत कनेक्शन की चैकिंग नगर पालिका दमोह द्वारा की जायेगी। उन्होंने कहा 24 जनवरी 2025 को प्रात: 08 बजे फुल ड्रेस रिहर्सल हेतु पर्याप्त ध्वनि विस्तार यंत्र (माईक) की व्यवस्था मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद दमोह द्वारा अनिवार्य रूप से की जाये। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिये पर्याप्त माईक की वयवस्था सुनिश्चित की जाये। कार्यक्रम स्थल पर पेयजल की व्यवस्था मुख्य नगरपालिका अधिकारी दमोह एवं कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग दमोह द्वारा की जाये। ग्राउंड पर चार पानी के टेंकर उपर्युक्त स्थानों पर रखे जाये। आमंत्रित नागरिकों को पेयजल की व्यवस्था पी.एच.ई विभाग दमोह द्वारा की जाये। स्टेडियम ग्राउंड पर एक फायर ब्रिगेड की व्यवस्था नगरपालिका द्वारा की जाये। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दमोह द्वारा आयोजन स्थल पर एक डॉक्टर, स्वास्थ्य टीम सहित तथा एम्बूलेंस की ड्यूटी लगाई जाये।

झांकियों की प्रदर्शनी व्यवस्था कलेक्टर ने कहा झांकियां विभागीय योजनाओं एवं कल्याणकारी एवं हितग्राही मूलक योजनाओ पर आधारित नवीन एवं आकर्षक होना चाहिए, जो शासन की नीतियों के अनुरूप रहें। झाकियों के निर्माण में इस बात पर विशेष ध्यान रखा जायें कि किसी की भावनायें आहत न हों। इस हेतु एक समिति का गठन किया गया है, जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, महिला बाल विकास अधिकारी , उपसंचालक सामाजिक न्याय, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग एवं जिला शिक्षा अधिकारी रहेगें।

गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य कार्यक्रम स्थल पर जिला पंचायत, पशु पालन विभाग, महिला एवं बाल विकास, सर्व शिक्षा अभियान, राजस्व विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, जल संसाधन विभाग, उद्यानिकी विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, होमगार्ड, वन विभाग, पालीटेक्निक महाविद्यालय, खाद्य सुरक्षा विभाग, जनजातीय विभाग आदि झाकियों का प्रदर्शन करेंगे तथा कार्यक्रम उपरांत सभी झांकियां व्ही.आई.पी मार्ग पर आम जनमानस के अवलोकन हेतु शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमोह के सामने उपस्थित रखेंगे।

प्रमाण पत्र कलेक्टर ने कहा गणतंत्र दिवस समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जायें जिसका निर्णय कलेक्टर की अध्यक्षता वाली एक कमेटी करेगी जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अपर कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी वरिष्ठ शाखा कलेक्ट्रेट सदस्य सम्मिलित होंगे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर शील्डों की व्यवस्था आबकारी अधिकारी द्वारा की जायेगी। आबकारी अधिकारी समस्त शील्डें जिला शिक्षा अधिकारी दमोह को सौपेगें। मुख्य कार्यक्रम स्थल पर एक एम्बुलेंस सहित, चिकित्सक तथा मेडीकल स्टॉफ सहित पर्याप्त मात्रा में दवाईयों की व्यवस्था की जायें।

व्यायाम प्रदर्शन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन आयोजित किया जाये, जिसमे नगर के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 1000 विद्यार्थी भाग लेंगे। उक्त व्यायाम प्रदर्शन में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी सहभागिता करेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम स्टेडियम में अधिकतम 05 सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होंगी। प्रस्तुति में गुणवत्ता स्तर उच्च स्तरीय एवं कार्यक्रम निर्देशों के अनुरूप होना चाहिये। गणतंत्र दिवस के अवसर पर नवोदय विद्यालय हटा/केंद्रीय विद्यालय दमोह/उच्च शिक्षा/शासकीय/अशासकीय विद्यालयों द्वारा व्यायाम/ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जायेगी। समारोह में 15-20 मिनिट की अवधि की प्रस्तुतियां होंगी। सभी प्रस्तुतियॉ देश भक्ति थीम पर आधारित होनी चाहिये। कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले सभी गणमान्य अतिथियों के लिये चाय/बिस्किट की व्यवस्था खाद्य विभाग द्वारा की जायेगी, जिसमें नगर पालिका दमोह द्वारा आवश्यक सहयोग दिया जाये।

प्रकाश व्यवस्था कलेक्टर ने कहा समस्त शासकीय भवनों में गणतंत्र दिवस पर शासन के निर्देशानुसार प्रकाश व्यवस्था का दायित्व विभाग प्रमुख का होगा। उन्होंने कहा समस्त व्यवस्थाओं एवं समारोह का अंतिम निरीक्षण 24 जनवरी 2025 को प्रात: 9 बजे से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से किया जायेगा।

पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर पार्किंग व्यवस्था के लिए पी.डब्ल्यू. डी कार्यालय तथा सिंचाई विभाग में व्यवस्था की जाये।

भारत पर्व कलेक्टर ने कहा गणतंत्र दिवस की संध्या पर भारत पर्व का आयोजन मानस भवन में शाम 06 बजे से किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम नोडल अधिकारी भारत पर्व के मार्गदर्शन में आयोजित किया जायेगा।

जैन समाज के युवाओं ने पंजाबी थीम पर किया धमाल

पंजाबी की संस्कृति, पंजाबी फूड और पंजाबी वेशभूषा के संग पंजाबी गानों पर जमकर थिरके

महावीर जैन । सिटी चीफ
इंदौर, रविवार को इंदौर के सुपर कॉरिडोर स्थित क्रेजी नेचर रिसोर्ट पर स्वीट 24 कपल ग्रुप के सदस्यों ने पंजाबी थीम पर पार्टी आयोजित की आयोजन के प्रमुख महावीर-ऋतु जैन व बहार-सुभी जैन ने बताया कि पार्टी के दौरान सभी सदस्य थीम के अनुसार पंजाबी गेट अप में पार्टी में सम्मिलित हुए पार्टी के दौरान पंजाब की संस्कृति से ओत-प्रोत होते हुए पंजाबी भोजन, पंजाबी गाने और पंजाबी गेम्स भी सभी सदस्यों को खिलाएं गए सभी सदस्यों ने गेम्स के दौरान पूरे उत्साह के संग भाग लिया और कई उपहार जीते पंजाबी थीम पर आए सदस्यों को बेस्ट कपल राजेश -शिखा वेद,ऋतु महावीर जैन एवम बेस्ट मेल राकेश जैन बेस्ट फीमेल लक्की शाह को दिया गया लगभग 50 से अधिक सदस्य पार्टी में उपस्थित है जिसमें प्रमुख रूप से राजेश- शिखा वेद, पारस -शशि टोंग्या, राकेश- विजेता जैन रोमिल- निकिता जैन, मोहित दर्शना जैन, अभय- दीप्ति जैन, वैभव- पूजा बिलाला, लक्की- परीक्षित शाह, रोमिल- रूबी जैन, अर्पित- रिया जैन, गजेंद्र- सुविधा बिलाला, ऋषि-मुक्ता जैन विशेष रूप से उपस्थित थे पार्टी का सफल संचालन महावीर जैन ने किया आभार बहार जैन ने माना।

रक्तबीज के वध पर मां काली के जयकारों से गूंज उठा महोत्सव परिसर

विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने दिए मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति

धीरज कुमार अहीरवाल।सिटी चीफ दमोह, बुंदेली गौरव न्यास दमोह द्वारा आयोजित 14 दिवसीय बुंदेली दमोह महोत्सव के द्वितीय दिवस मंचीय कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें नृत्य श्री अभिनव श्री प्रतियोगिताएं आयोजित की गई एवं विभिन्न विद्यालयों द्वारा सामूहिक नृत्य के माध्यम से जागरूकता एवं सांस्कृतिक प्रदर्शन की झलक देखने को मिली द्वितीय दिवस मंचीय कार्यक्रम का प्रारंभ श्री गणेश जी के पूजन के साथ प्रारंभ हुआ जिसमें अतिथियों द्वारा दीप प्रचलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई द्वितीय दिवस पर अतिथि के रूप में पूर्व भाजपा जिला महामंत्री अखिलेश हजारी, पूर्व भाजपा जिला महामंत्री गंगाराम अहिरवार, पूर्व भाजपा जिला महामंत्री सुशील सोनी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भगवान दास चौधरी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मालती असाटी, पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष आलोक गोस्वामी, वरिष्ठ भाजपा नेता अनवर उस्ताद, पूर्व मंडी अध्यक्ष गोपाल ठाकुर, वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज अग्रवाल, अशोक भारती उपस्थित रहे। न्यास समिति सदस्यों द्वारा दुपट्टा पहना कर अतिथियों का स्वागत किया गया।

अभिनय श्री प्रतियोगिता के संयोजक कृष्णा तिवारी ने बताया कि अभिनय श्री नाट्य प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें अभिनय श्री में सहयोगी के रूप में अखिलेश गोस्वामी और रंजीत परोचे रहे।

विभिन्न विद्यालयों द्वारा सामूहिक नृत्य का प्रदर्शन किया गया जिसमें आचार्य सौभाग्य सागर विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा तीन सामूहिक नृत्य का प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों ने बुंदेलखंड के प्रसिद्ध बधाई नृत्य का मंचन इस तरीके से किया कि उपस्थित जनसमूह भी स्वयं को नृत्य करने से नहीं रोक पा रहे थे। शासकीय कन्या विद्यालय अभाना की छात्राओं द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की थीम पर सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई जिससे उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की बेटी जिस घर में होती है वह घर स्वर्ग से भी कम नहीं होता। वही राइम्स पब्लिक स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान के ऊपर सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति देकर सभी को जागरूक करने का कार्य किया। टाइम्स विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा ऐतिहासिक एवं पौराणिक कथा पर आधारित रक्तबीज संघार की नृत्य के मंचन से सभी को यह संदेश देने का कार्य किया कि जब-जब धरती पर पाप की अति होती है तब उसका संघार करने के लिए दैवीय शक्ति स्वयं अवतरित होती हैं नाट्य प्रस्तुति के दौरान जब मां काली ने अपने रोध्र रूप के साथ रक्तबीज का संघार किया तब उपस्थित जनसमूह भी जय मां काली जय माता दी के नारों से गूंज उठा। राइट वे स्कूल पटेरिया के विद्यार्थियों द्वारा एक से अधिक सामूहिक नृत्य का प्रदर्शन किया गया जिसमें देशभक्ति सांस्कृतिक एवं स्थानीय परंपराओं से संबंधित नृत्य की प्रस्तुति दी गई। नन्हें कलाकारों द्वारा दी गई इन प्रस्तुतियों को सभी ने सराहा एवं समिति सदस्यों द्वारा सभी विद्यालयों के विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिस्थितियों की प्रभारी प्रतिभा तिवारी रही

बुंदेली दमोह महोत्सव के तृतीय दिवस खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया साथ ही जैविक कृषि पर किसान प्रशिक्षण गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें अतिथि के रूप में किसान संघ जिला अध्यक्ष राम पटेल, कृषि वैज्ञानिक मनोज अहीरवाल, प्रमुख जैविक पूरन पटेल, सहायक उप संचालक कृषि जेपी प्रजापति, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र पटेल, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष हटा सुशील सेवट, मडियादो रतिराम पटेल, एकलव्य विश्वविद्यालय व्याख्याता कृषि विभाग ओमपाल सिंह राजपूत मंचासीन रहे।

बुंदेली गौरव न्यास के आजीवन संरक्षक श्रीमती डॉक्टर सुधा जयंत मलैया जी के मार्गदर्शन में संपूर्ण न्यास समिति बुंदेली दमोह महोत्सव को आगंतुक जनता के आनंद को अधिक से अधिक बढ़ने के कार्य में लगी हुई है साथ ही बुंदेली दमोह महोत्सव परिसर में चल रहे विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठान एवं व्यंजनों का भी लोग आनंद उठा रहे हैं न्यास समिति अध्यक्ष अंबालाल पटेल सचिव प्रभात सेठ उपाध्यक्ष कैप्टन भादवा श्रीमती पूजा सिद्धार्थ मालिया प्रबंधक कार्यकारिणी संयोजक मोहित संगीति कार्यालय प्रभारी घनश्याम पाठक रवि गोस्वामी संतोष रोहित निलेश सिंघाई डीके रोहित राजू नामदेव मयंक वाधवा अमित वर्मा संजू यादव देवेंद्र राजपूत महेन्द्र राठौर गीतेश अठ्या अभिलाष हजारी बृज सेन धर्मेन्द्र अहिरवार भरत राय वैभव कैथवास ओमकार चौरसिया सहित सदस्यों की उपस्थिति रही।

जनसुनवाई में अपने आवेदन स्वयं तैयार कर पाने में असक्षम आवेदकों के आवेदन निःशुल्क तैयार कराये जायेंगे

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर कार्यालय दमोह में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर की अध्यक्षता में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में अब आवेदकों के आवेदन निःशुल्क तैयार कराये जायेंगे। ये आवेदन केवल एक पृष्ठ का होगा, जिसमें केवल मूल समस्या लिखी जायेगी। आवेदन को तैयार कराने के लिए कलेक्ट्रेट के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो आवेदकों के आवेदन पूर्णतः निःशुल्क रूप से लिखेंगे। आवेदनों को तैयार कराने में आईटीआई के स्टेनों ट्रेड के छात्र भी सहभगिता करेंगे। निःशुल्क आवेदनों को तैयार कराने की सुविधा केवल ऐसे आवेदकों के लिए रहेगी जो अपना आवेदन स्वयं तैयार कर पाने में सक्षम नहीं हैं।

प्रशासन संवेदनशीलता के साथ करे कार्य जनता को शासकीय योजनाओं का दें लाभः प्रभारी मंत्री केदार कश्यप

राजीव खरे । सिटी चीफ (छग)
रायपुर, रायपुर शहर का राजधानी के अनुरूप विकास करें और पूरे जिले को हम सब मिलकर स्वच्छ और सुंदर बनाएंगे। विधायक एवं जनप्रतिनिधि से सुझाव लेकर यातायात, अपराध नियंत्रण, राजस्व सहित अन्य विषयों पर कार्ययोजना बनायें। यह बात प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने विगत दिवस जिले की समीक्षा बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि राजस्व के विवादित या अविवादित सीमांकन के प्रकरणों को जल्द से जल्द निपटारा करने की कार्यवाही करें। कलेक्टोरेट परिसर के रेडक्रास भवन के सभागृह में हुई समीक्षा बैठक में विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, खुशवंत गुरू साहेब, इंद्रकुमार साहू इत्यादि जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी को समय पर राशन उपलब्ध कराया जाएं। नवीन राशनकार्ड का वितरण किया जाएं। स्वास्थ्य विभाग के समीक्षा के दौरान बैठक में कहा गया कि जो स्वास्थ्य विभाग के जो भवन अपूर्ण है उसे पूर्ण किया जाए। विशेष अभियान चलाकर आयुष्मान कार्ड बनायें। साथ ही आयुष्मान वय वंदना कार्ड योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु वाले वृद्धजनों के लिए कैंप लगाकर योजना का लाभ दें। साथ ही ब्लाक स्तर पर दिव्यांगजनों के लिए शिविर लगाकर कार्ड बनाया जा रहा है। शिक्षा विभाग की समीक्षा के तहत विधायकगणों ने आरटीई और आत्मानंद स्कूल सहित अन्य स्कूलों में शिक्षकों के संबंध में सुझाव दिए। इस पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि आरटीई के तहत यह सुनिश्चित करें कि बीपीएल श्रेणी के बच्चों को अच्छे से अच्छे स्कूल में प्रवेश दिलाएं और उन्हें अध्ययन का सकारात्मक वातावरण मिले। बच्चों की पढ़ाई के लिए आवश्यक कार्रवाई करें। महिला बाल विकास की समीक्षा के दौरान भवन विहिन आंगनबाड़ी केन्द्रों की जानकारी ली गई और प्रभारी मंत्री कश्यप ने आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए भवन बनाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि जनप्रतिनिधियों के सुझाव के अनुरूप ऐसे माडल आंगनबाड़ी केन्द्र बनायें जो पूरे प्रदेश के लिए एक उदाहरण बनें। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत जिन हितग्राहियों को अभी राशि मिलना बंद हो गई है। फिर से उसकी समीक्षा कर उन्हें योजना का लाभ दिलाएं। इसके लिए जोनवार शिविर लगाकर कार्य करें।

पुलिस विभाग के समीक्षा के दौरान यातायात तथा कानून व्यवस्था पर चर्चा की गई। शहर की यातायात व्यवस्था को सुनिश्चित बनाने के लिए सभी विधायक और जनप्रतिनिधियों से सुझाव लेकर कार्य करें। शहर के विभिन्न स्थानों में पेट्रोलिंग तगड़ी करें ताकि अपराध पर नियंत्रण हो और वन विभाग के समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री श्री कश्यप ने निर्देश दिया वन आवश्यक- दिशा निर्देश दिए। साथ ही नगर निगम के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अमृत मिशन योजना के तहत पेयजल पहुंचाने की व्यवस्था सुदृढ की जाएं। पीडब्ल्यूडी विभाग को सड़कों की मरम्मत करने के निर्देश दिए। अनाधिकृत निर्माण पर रोक लगाएं। साथ ही प्रधानमंत्री आवास कालोनी में पानी की समस्या एवं अन्य समस्याओं का समाधान करें। राजस्व विभाग के समीक्षा के दौरान विधायकों ने

आवश्यक सुझाव दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि नामांकन-सीमांकन बंदोबस्त त्रुटि के प्रकरणों पर जल्द कार्रवाई करें। बैठक में कलेक्टर डा. गौरव सिंह, एसएसपी डा. लाल उम्मेद सिंह, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में मोदी की एक और गारंटी हुई पूरी

मुख्यमंत्री साय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का किया शुभारंभ

राजीव खरे । सिटी चीफ (छग)
रायपुर, छत्तीसगढ़ में भूमिहीन मजदूरों से किए गए वायदे के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक और गारंटी पूरी हो गई है। हमारे छत्तीसगढ़ में बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर करती है लेकिन ऐसे लोग भी हैं जिनके पास कृषि भूमि भी नहीं है और वे कृषि मजदूरी कर जीविकोपार्जन करते हैं। उन्हें ध्यान में रखते हुए हमने भूमिहीन कृषि मजदूर भाई-बहनों से भी एक वादा किया था। हमने कहा था कि उन्हें 10 हजार रुपये सालाना आर्थिक सहायता देंगे। आज हमने इस वादे को पूरा किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज न्यू सर्किट हाउस स्थित आडिटोरियम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का शुभारंभ करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कुल 5 लाख 62 हजार 112 हितग्राहियों को इस योजना का लाभ मिलने जा रहा है। इस योजना के तहत पाँच सौ 62 करोड़ 11 लाख 20 हजार रुपये हम भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना को शुरू करने के पीछे हमारा उद्देश्य भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों के शुद्ध आय में वृद्धि कर उन्हें आर्थिक रूप से संबल प्रदान करना है। इस योजना में भूमिहीन कृषि मजदूरों के साथ वनोपज संग्राहक भूमिहीन परिवार, चरवाहा, बढ़ई, लोहार, मोची, नाई, धोबी आदि पौनी-पसारी व्यवस्था से संबद्ध भूमिहीन परिवार भी शामिल हैं। इनके अलावा अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासियों के देवस्थल में पूजा करने वाले पुजारी, बैगा, गुनिया, माँझी परिवारों को भी शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भूमिहीन मजदूर हितग्राहियों को 10 हजार रुपए की राशि का चेक वितरित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक कदम के माध्यम से प्रदेश के भूमिहीन मजदूर परिवारों के आर्थिक समृद्धि का जो संकल्प हमने लिया था, वह आज साकार हो रहा है। श्री साय ने कहा कि यह योजना न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी, बल्कि उनके बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य को भी सुरक्षित बनाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि प्रदेश का हर गरीब और भूमिहीन परिवार खुशहाल हो। यह योजना उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने छत्तीसगढ़ की जनता को जो गारंटियां दी थीं, उनमें से अधिकांश गारंटियों को हमारी सरकार ने महज एक साल के भीतर ही पूरा कर दिया है। शपथ लेने के दूसरे दिन ही पहली कैबिनेट में हमने जरूरतमंद 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी।

हमारी सरकार ने पीएम आवास के लिए पात्रता का दायरा भी बढ़ा दिया है। अब जिनके पास दुपहिया वाहन हैं, ढ़ाई एकड़ सिंचित भूमि या पाँच एकड़ असिंचित भूमि है, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये है, वे भी पीएम आवास के लिए पात्र होंगे। हमने राज्य में आवास प्लस के लिए सर्वे का काम भी शुरू कर दिया है। छत्तीसगढ़ के हर नागरिक तक सुशासन का लाभ पहुँचे, हमारी सरकार का यही प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह मोदी जी की गारंटी के तहत हमने 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदने का वादा किया था। हमारी सरकार ने किसानों से किया हर वादा निभाया। चालू खरीफ सीजन में हम किसानों से वादे के मुताबिक 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद रहे हैं। किसानों को समर्थन मूल्य का भुगतान खरीदी के साथ किया जा रहा है तथा अंतर की राशि फरवरी माह में प्रदान कर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जब किसान भाइयों को उनके उपज की पूरी कीमत मिल रही है तो खेती छोड़ चुके किसान भी कृषि की ओर लौट रहे हैं। हमने तेंदूपत्ता संग्रहण की दर को चार हजार रुपये प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 55 सौ रुपये प्रति मानक बोरा कर दिया है, जिससे वनवासी क्षेत्र के 12 लाख 50 हजार से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहक बंधु लाभान्वित हो रहे हैं। हमने मोदी की गारंटी के तहत माताओं-बहनों को महतारी वंदन योजना में एक हजार रुपये प्रति महीने देने का वादा किया था। प्रदेश की 70 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है। अब तक 11 किश्तों में माताओं-बहनों को 7 हजार 182 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। इसी तरह रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना को शुरू कर अब तक छत्तीसगढ़ से 20 हजार श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम दर्शन के लिए हम भेज चुके हैं। एक-एक कर हम मोदी की गारंटी के तहत किए गए हर वादे को पूरा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएँ संचालित कर रही है। हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि सरकार की योजनाओं का लाभ हितग्राही समूह तक पहुँचे। आज मुझे बेहद खुशी हो रही है कि हमारे किए वादे का लाभ आप तक पहुँच रहा है और हमारे प्रयासों से आपके चेहरे पर मुस्कान आ रही है।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि जब से प्रदेश में हमारी सरकार बनी है, छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास हुआ है। मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन में हमारी सरकार ने बड़ी योजनाओं को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि दीनदयाल जी के सपनों को हमारे मुख्यमंत्री साकार कर रहे हैं।इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक सुनील सोनी, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, प्रभारी मुख्य सचिव रेणु पिल्ले, राजस्व विभाग की सचिव शहला निगार सहित वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी और प्रदेश भर के विभिन्न क्षेत्रों से आए हितग्राही उपस्थित थे।

महू में 27 जनवरी को आयोजितजय बापू, जय भीम, जय संविधान यात्रा

बोरावां में दिग्गज नेताओं जीतू पटवारी, उमंग सिंघार, अरूण यादव, सचिन यादव, मितेन्द्र सिंह ने निमाड़ वासियों को यात्रा में शामिल होने का दिया न्यौता

खरगोन मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा आगामी 27 जनवरी को महू में जय बापू, जय भीम, जय संविधान यात्रा का समापन होगा । इस विराट आयोजन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे , राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और देश प्रदेश के अनेक वरिष्ठ नेता महात्मा गांधी के अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांतों और डॉ. अम्बेडकर के समता और सामाजिक न्याय के विचारों को प्रस्तुत करेंगें । उन्होनें बोरावां गांव में कसरावद विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए समूचे निमाड़ वासियों से 27 जनवरी को महू में आयोजित इस यात्रा में शामिल होने का आव्हान किया । पूर्व उपमुख्यमंत्री सुभाष यादव को याद करते हुए श्री पटवारी ने कहा कि नर्मदा का पानी हर गांव हर खेत में पहुँचाकर उन्होनें हरित क्रांति के माध्यम से ग्रामीणों को समद्धशाली और आत्मनिर्भर बनाया है । कांग्रेस पार्टी भी किसानों के सम्मान की लड़ाई लड़ रही है । पटवारी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने परिवहन नाके बंद कर अवैध वसूली शुरू कर दी है । ऐसे ही सरकार

को राजस्व का घाटा पहुँचाकर शराब के व्यवसाय में अवैध वसूली की जा रही है । उन्होनें किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी उपज कपास , सोयाबीन, गेंहूँ, मक्का और अन्य को समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए हम सरकार से हर मोर्चे पर लड़ाई लड़ेंगें ।

समता और समानता के संघर्ष का प्रतीक है महू मप्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी कार्यकर्ताओं से महू चलने की अपील करते हुए कहा कि डॉ. अम्बेडकर की जन्मस्थली होने के कारण महू भारतीय समाज के समता और समानता के संघर्ष का प्रतीक है । महू की समापन यात्रा में कांग्रेसजन संविधान और सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराकर भाजपा के खिलाफ सड़कों पर उतरकर संघर्ष का शंखनाद करेंगें । श्री सिंघार ने कहा कि भाजपा आम आदमी के सरोकार से जुड़ी राजनीति न करते हुए बँटवारे की राजनीति करती है । कांग्रेस इनके मंसूबों को पूरा नहीं होने देगी । मप्र में अब निमाड़ की इस धरती से प्रदेश में बदलाव लेकर आयेंगें ।

महू की यात्रा लोकतांत्रिक मूल्यों को देगी मजबूती मप्र कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरूण यादव ने निमाड़ अंचल सहित समूचे प्रदेश वासियों को इस समापन यात्रा में शामिल होने का न्यौता देते हुए कहा कि यह अभियान भारतीय संविधान की महत्ता को जन जन तक पहुँचाने , सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने और जाति धर्म के विभाजन से उपर उठकर देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने पर केन्द्रित है । इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा को प्राथमिकता देना है । श्री यादव ने कहा कि भाजपा संविधान को तोड़-मरोड़कर आरक्षण को समाप्त करने पर तुली हुई है । इसके लिए राहुल गांधी संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं । उन्होनें आश्वस्त किया कि महू की यात्रा में निमाड़ अंचल से सर्वाधिक कार्यकर्ता शामिल होंगे । मप्र युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मितेन्द्र दर्शन सिंह ने युवा कार्यकर्ताओं से उत्साहपूर्वक इस आयोजन में शामिल होने का आव्हान करते हुए कहा कि यह यात्रा भारतीय लोकतंत्र और संविधान की नींव को मजबूत करेगी । कांग्रेस पार्टी महू में जय बापू, जय भीम , जय संविधान यात्रा में नई क्रांति का सूत्रपात करेगी ।

विचारों की विरासत और संविधान को बचाएगी यात्रा विधानसभा क्षेत्र कसरावद के कार्यकर्ताओं की बैठक की मेजबानी करते हुए पूर्व कृषि मंत्री और विधायक सचिन यादव ने कहा कि यह यात्रा महात्मा गांधी और डॉ. अम्बेडकर की विरासत और संविधान को बचाने के लिए हो रही है । संविधान के प्रति सम्मान प्रकट करने और गांधी - अम्बेडकर के विचारों को व्यापक रूप से आत्मसात करने के लिए प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता को महू की इस यात्रा में शामिल होना चाहिए । उन्होनें बताया कि विधानसभा क्षेत्र कसरावद के प्रत्येक पोलिंग बूथ से कांग्रेस कार्यकर्ता महू पहुँचकर इस यात्रा को ऐतिहासिक रूप से सफल बनायेंगें ।

ग्राम पंचायतो मैं आनन्द उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

झाबुआ

पेटलावद- ग्राम पंचायत रताम्बा कुड़वास के क्लस्टर अलस्याखेडी में आनंद उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें खो खो, कबड्डी, रस्सा खेच एवं अन्य गतिविधि द्वारा बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। आनंद उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण जी मालीवाड़ सरपंच श्रीमती सीता सिंगाड उपसरपंच श्रीमती एवं जनपद सीईओ श्री राजेश दीक्षित जी द्वारा बताया गया कि आनंद एक स्वयं के प्रति एक खुश रहने की अनुभूति है हम आनंद मैं रहकर अच्छे कार्य की प्रगति कर सकते हैं आनंद से जितनी सफलता मिलती है उतनी कहीं और कार्य में नहीं मिलती है जिले से प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम श्री अधिकारी एवं राज्य आनंद संस्था के झाबुआ नोडल श्री जगदीश सिसोदिया जी, के द्वारा बताया गया कि गुस्सा क्रोध अहंकार जैसे शब्द हमारे लिए जीवन की कमजोरी है राज्य आनंद मास्टर ट्रेनर श्री बलवीर सिंह जी डामर, राज्य आनंद संस्था के आनंद सहयोगी श्री नाथूलाल मुणिया, अधिकारी जन शिक्षक श्री गणपत लाल निनामा, एकीकृत माध्यमिक विद्यालय अलस्याखेडी के प्रधान अध्यापक श्री दुले सिंह जी गामड़, धामनिया स्कूल शिक्षक मुकेश जी निनामा ,सचिव, राघु सिंह गुड़िया , प्रेम सिंह दायमा ,रोजगार सहायक शंभू सिंह सिंगर , व ग्रामीण जन आदि उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया पीएम जनमन आवास का निरीक्षण

मंडला कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने रविवार को बिछिया विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया। उन्होंने ग्राम पंचायत उमरवाड़ा के मवाला में प्रधानमंत्री जनमन आवास के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने शेष बचे आवासों को समय सीमा में पूर्ण कराते हुए गुणवत्तायुक्त सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने हितग्राहियों से चर्चा करते हुए शासन की योजनाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अमरसिंह के पूर्ण हो चुके

आवास का भी अवलोकन करते हुए गुणवत्तायुक्त निर्माण सामग्री का उपयोग करने पर प्रशंसा की। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, सीईओ जनपद पंचायत बिछिया आरके मंडावी सहित संबंधित उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 23 जनवरी को गोटेगाँव आगमन प्रस्तावित

नरसिंहपुर

कलेक्टर और एसपी ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आगामी 23 जनवरी को गोटेगाँव आगमन प्रस्तावित है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले और एसपी श्रीमती मृगाखी डेका ने गोटेगाँव हैलीपैड और सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम का निरीक्षण कर अधिकारियों को व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल में आमजनों के प्रवेश सहित पार्किंग आदि की समुचित व्यवस्थायें कराने के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर एवं एसपी ने बैरिकेडिंग, एम्बुलेंस मय चिकित्सक एवं स्टाफ, पार्किंग स्थल, पुलिस बल तैनाती की व्यवस्थाएँ भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, एसडीएम श्रीमती देवंती परते सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले का पहला पीएम जनमन आंगनवाड़ी भवन पोहरी ब्लॉक की एसवाया पंचायत ने किया पूर्ण

शिवपुरी

पीएम जनमन योजना में शिवपुरी जिला लगातार दे रहा उत्कृष्टता का परिचय

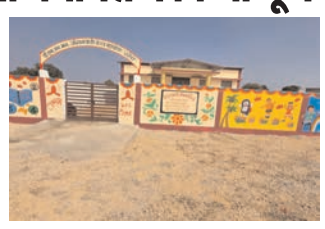

पीएम जनमन योजना अतिपिछड़ी जनजातियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रधानमंत्री मोदी की सर्व प्राथमिकता वाली योजना है मप्र की अतिपिछड़ी जनजातियों में बेगा ,भारिया ,सहरिया जनजाति आती है इस योजना से अतिपिछड़ी जनजातियों को पक्के मकान ,हर घर विद्युत ,हर घर नल कनेक्शन ,पक्की रोड कनेक्टिविटी ,आँगन वाड़ी भवन , मोबाइल कनेक्टिविटी आदि का लाभ देने के साथ ही हितग्राही मूलक योजना जैसे आयुष्मान कार्ड ,आधार कार्ड ,पेंशन ,पोषण आहार का लाभ देना है इसी क्रम में अभी तक मप्र का शिवपुरी जिला पीएम जनमन योजना अंतर्गत सर्वाधिक पक्के आवास बनाकर ,सुव्यवस्थित कॉलोनी बनाकर चर्चाओं में बना ही हुआ है अब गुणवत्तापूर्ण और सुन्दर आंगनवाड़ी भवन बनाकर शिवपुरी जिले की पोहरी ब्लॉक की ऐसवाया पंचायत सुर्खियों में है ! ये सब शिवपुरी जिले के जिलाधीश रवींद्र कुमार चौधरी की सहरिया जनजाति के प्रति संवेदनशीलता और जनमन योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लक्ष्य को लेकर चलने के कारण संभव हुआ है ! सीईओ जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन के द्वारा लगातार फील्ड विजिट ,गुणवत्ता पर विशेष फोकस रखने ,और सहरिया लोगो को बेहतर सुविधाएँ मुहैया कराने हेतु प्रतिबध्दता के कारण शिवपुरी जिला लगातार जनमन योजना में अव्वल जिलों में अपना स्थान बनाये हुआ है पीएम जनमन योजना से बने इस आंगनवाड़ी भवन की खास बात यह है कि ये गुणवत्तापूर्ण होने के साथ ही सुन्दर और आकर्षक भी है पुरानी आंगनवाड़ी भवनों से अधिक एरिया वाली बाउंड्रीवॉल है जो आंगनवाड़ी भवनों को सुरक्षित कैंपस बनाती है सहायक यंत्री ब्लॉक पोहरी मुकेश जैन के द्वारा विशेष योगदान देकर जिले की सर्वप्रथम आंगनवाड़ी भवन पूर्ण की है ,उनके द्वारा लगातार पंचायत एजेंसी को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जिस से कम समय में गुणवत्तापूर्ण आंगनवाड़ी भवन का निर्माण संभव हो सका है ! इस आंगनवाड़ी भवन को पूर्ण करने में उपयंत्री अजय बंसल ,सरपंच एसवाया ,सचिव नंदकिशोर गुप्ता ,जीआरएस अखय सिंह यादव का योगदान रहा है !

अनियंत्रित कार ने तीन लोगों को किया घायल

विजय स्तंभ पर हुआ हादसा

खरगोन अनियंत्रित कार ने राह चल रही महिला को मारी टक्कर वही दुकान पर बैठे एक व्यक्ति को भी घायल किया, साथ ही कार में बैठा ड्राइवर भी घायल हुआ है। कसरावद के जय स्तंभ चौराहे अनियंत्रित कार ने राह चल रही महिला को मारी टक्कर महिला हुई घायल कार चालक को भी आई चोट राह चल रहे लोगों ने महिला एवं कार चालक को शासकीय अस्पताल पहुंचाया। एवं दुकान

पर बैठे व्यक्ति को निजी अस्पताल पहुंचाया । गनीमत रही बड़ा हादसा नहीं हुआ। घायल महिला का प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

सबको सॉरी...मैं इस दुनिया में नहीं जी सकती दिव्या ने हॉस्टल में किया सुसाइड, मरने से पहले...

नेशनल डेस्क. राजस्थान में कोचिंग और शिक्षण संस्थानों से जुड़े छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। कोटा के बाद अब जयपुर के मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआइटी) के हॉस्टल में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां प्रथम वर्ष की छात्रा दिव्या राज ने हॉस्टल की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें छात्रा ने अपने दर्द और मानसिक तनाव का जिक्र किया है।

पुलिस के मुताबिक, दिव्या राज राजस्थान के पाली जिले के नारलाई गांव की रहने वाली थी और छह महीने पहले ही एमएनआइटी में दाखिला लिया था। रविवार रात को उसने अपनी बहन निशा से 15 मिनट तक फोन पर बात की, लेकिन बातचीत में किसी तरह के तनाव का संकेत नहीं मिला। इसके कुछ देर बाद हॉस्टल की छठी मंजिल से कूदकर आत्महत्या की खबर सामने आई।

सुसाइड नोट में छलका दर्द

दिव्या के पास से बरामद सुसाइड नोट में उसने लिखा, गलती मेरी ही है, मैं ही इस दुनिया में नहीं जी सकती। सबसे यादा खुश मैं या तो बचपन में थी या नींद में। अब बचपन वापस नहीं आ सकता, तो हमेशा की नींद में जा रही हूं। मौत के बाद क्या होता है, नहीं पता, पर शायद शांति तो होती ही होगी। मम्मी-पापा और निशा, एक-दूसरे का ख्याल रखना। सबको सॉरी।

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

जयपुर पहुंचे दिव्या के परिजन इस घटना से सदमे में हैं। उन्होंने दिव्या की आत्महत्या पर सवाल उठाते हुए हत्या की आशंका जताई और निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों का कहना है कि दिव्या आत्महत्या नहीं कर सकती। घटना के बाद हॉस्टल में रहने वाली अन्य छात्राओं में दहशत का माहौल है। पुलिस ने दिव्या के मोबाइल की कॉल डिटेल और मैसेज की जांच शुरू कर दी है। साथ ही अन्य छात्राओं से पूछताछ की जा रही है।

निष्पक्ष जांच की मांग

दिव्या की आत्महत्या ने शिक्षण संस्थानों में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और तनाव को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजनों और स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के 10 साल

लिंगानुपात में सुधार, शिक्षा और महिला सुरक्षा में गिरावट

नेशनल डेस्क. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी 2015 को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य बेटियों को बचाना और उन्हें शिक्षा के अधिकार से जोड़ना था। अब इस योजना को शुरू हुए 10 साल होने जा रहे हैं। इन वर्षों में योजना ने लिंगानुपात में सुधार और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में कुछ हद तक सफलता हासिल की है, लेकिन कई चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं।

लिंगानुपात में सुधार और जागरूकता बढ़ी

इस योजना का प्रमुख उद्देश्य लड़कियों के जन्म के समय लिंगानुपात में सुधार लाना और समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना था। इस दिशा में कुछ सकारात्मक बदलाव हुए हैं, लेकिन अभी भी कई जगहों पर लिंग भेदभाव की समस्या बनी हुई है।

हालांकि योजना का उद्देश्य लड़कियों को शिक्षा के साथ जोड़ना था, लेकिन इसके परिणाम मिलेजुले रहे हैं। विभिन्न शिक्षा स्तरों पर लड़कियों का नामांकन दर में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है।

प्राथमिक शिक्षा- इसमें लड़कियों का नामांकन दर 90-100% के बीच था।

माध्यमिक शिक्षा- यहाँ नामांकन दर गिरकर 77-80% तक आ गई है।

उचतर माध्यमिक शिक्षा- इस स्तर पर नामांकन और भी कम होकर 50-58त्न के बीच पहुंच गया है।

महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा

इस योजना का एक उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकना भी था। खासकर लड़कियों को आत्मरक्षा के प्रशिक्षण के माध्यम से। लेकिन इस क्षेत्र में योजना के प्रयासों के बावजूद महिलाओं के खिलाफ हिंसा में वृद्धि देखने को मिली है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2018 से 2022 के बीच महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 12.9% की वृद्धि हुई है।

100 जिलों से पूरे देश तक का विस्तार

शुरुआत में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना को केवल 100 जिलों में लागू किया गया था। लेकिन अब यह योजना पूरे देश में फैल चुकी है। इसके तहत मासिक धर्म स्वास्थ्य, खेलों में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाने और अन्य समाजिक पहलुओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

अभी भी कई चुनौतियाँ बाकी

योजना के पहले 10 सालों में कुछ सकारात्मक परिणाम मिले हैं, लेकिन शिक्षा, महिला सुरक्षा और सरकारी फंड का सही इस्तेमाल करने जैसे कई मुद्दे अभी भी समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि इन चुनौतियों को दूर करने के लिए योजना के क्रियान्वयन को और प्रभावी बनाया जाए।

पत्नी को खुश करने के लिए डॉक्टर ने खुद ही कर ली नसबंदी

इंटरनेशनल डेस्क = क्या कोई डॉक्टर खुद का ऑपरेशन कर सकता है? यह सोचकर थोड़ी हैरानी होती है क्योंकि ऑपरेशन में बहुत दर्द होता है और शरीर में चीर-फाड़ की जाती है। लेकिन ताइवान के एक डॉक्टर ने यह कर दिखाया है। उन्होंने खुद का ऑपरेशन किया और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जो अब वायरल हो गया है। ताइवान के चेन वेई-नॉन्ग, जो एक प्लास्टिक सर्जन हैं, ने अपनी नसबंदी खुद ही की। चेन ताइपे शहर में अपने क्लीनिक के मालिक हैं और तीन बच्चों के पिता हैं। उनकी पत्नी अब और बच्चे नहीं चाहती थीं, इसलिए चेन ने अपनी पत्नी को खुश करने के लिए नसबंदी करवाई। उन्होंने इस प्रक्रिया को फेसबुक पर शेयर किया ताकि लोग इसे समझ सकें। चेन ने इंस्टाग्राम और फेसबुक पर वीडियो शेयर किया, जिसमें वह नसबंदी के 11 चरणों के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वह इस ऑपरेशन की योजना बना रहे थे। चेन ने कहा कि यह ऑपरेशन आसान नहीं था। हालांकि, सामान्यत: इस सर्जरी में 15 से 20 मिनट लगते हैं, लेकिन उन्होंने इसे एक घंटा लिया।

चेन के ऑपरेशन की सफलता के बाद उन्होंने कहा कि यह एक अजीब अनुभव था। उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए यह प्रक्रिया जटिल होती है, जबकि पुरुषों के लिए यह अपेक्षाकृत सरल है। उनके वीडियो को इंस्टाग्राम पर 2 मिलियन से अधिक लोग देख चुके हैं और करीब 61,000 लाइक्स मिले हैं। कुछ लोगों ने इस ऑपरेशन पर हैरानी जताई है, जबकि कुछ ने इसे खतरनाक भी बताया है।

शपथ लेने के ठीक बाद ट्रंप ने सीबीपी वन ऐप को किया समाप्त

इन लोगों पर पड़ेगा असर!

वाशिंगटन: ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को सीबीपी वन नामक एक सीमा ऐप का इस्तेमाल बंद कर दिया जिसने करीब 10 लाख लोगों को काम करने की पात्रता के साथ कानूनी तौर पर अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति दी थी।

सोमवार को डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेने के ठीक बाद सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा की वेबसाइट पर एक नोटिस जारी किया गया। इसे उपयोगकर्ताओं को पता चला कि जिस ऐप का इस्तेमाल प्रवासियों को आठ दक्षिण-पश्चिम सीमा बंदरगाहों पर 'अपॉइंटमेंट शेड्यूल करने की अनुमति देने के लिए किया गया था, वह अब उपलब्ध नहीं है। नोटिस में कहा गया है कि मौजूदा 'अपॉइंटमेंट रद्द कर दिए गए हैं। यह कदम ट्रंप द्वारा अपने प्रचार अभियान के दौरान किए गए वादे के अनुरूप है। सीबीपी वन ऐप बेहद लोकप्रिय रहा है।

यह आठ सीमा चौकियों पर प्रतिदिन 1,450 लोगों को 'अपॉइंटमेंट देने की एक ऑनलाइन लॉटरी प्रणाली थी। इसमें प्रवासी आव्रजन 'पैरोल पर प्रवेश करते हैं, जो राष्ट्रपति का अधिकार है। 1952 में इसकी शुरूआत के बाद से किसी भी अन्य राष्ट्रपति की तुलना में इसका इस्तेमाल जो बाइडेन ने सबसे अधिक किया।

पेरिस जलवायु समझौते से हटेगा अमेरिका बाइडेन के आदेश होंगे रद्द: डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह एक बार फिर देश को ऐतिहासिक पेरिस जलवायु समझौते से बाहर निकालेंगे। उनकी इस घोषणा से वैश्विक तापमान वृद्धि से निपटने के लिए दुनिया भर के प्रयासों को झटका लगेगा और एक बार फिर अमेरिका अपने सबसे करीबी सहयोगियों से दूर हो जाएगा।

ट्रंप के सोमवार को दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने के समय व्हाइट हाउस की यह घोषणा 2017 में ट्रंप की कार्रवाइयों की याद दिलाती है, जब उन्होंने घोषणा की थी कि अमेरिका वैश्विक पेरिस समझौते से बाहर हो जाएगा। पेरिस जलवायु समझौते का मुख्य दीर्घकालिक लक्ष्य पूर्व औद्योगिक स्तर से वैश्विक तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे, और यदि संभव हो तो इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखना है। वर्ष 2015 का पेरिस समझौता स्वैच्छिक है और यह देशों को कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस के जलने से ग्रीनहाउस गैसों के अपने उत्सर्जन में कटौती करने के लिए लक्ष्य प्रदान करने की अनुमति देता है। पिछले महीने निवर्तमान जो बाइडेन प्रशासन ने 2035 तक अमेरिका के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 60 प्रतिशत से अधिक की कटौती करने की योजना पेश की थी।

यूरोपीय जलवायु फाउंडेशन के सीईओ और पेरिस समझौते के एक प्रमुख वास्तुकार लॉरेंस टुबियाना ने समझौते से अमेरिका के बाहर होने की योजना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया लेकिन कहा कि जलवायु परिवर्तन को धीमा करने की कार्रवाई 'किसी भी एक देश की राजनीति और नीतियों से अधिक मजबूत है।

गोल्फ कोर्स, रियल एस्टेट...जानिए कितनी संपत्ति के मालिक हैं अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

इंटरनेशनल डेस्क: डोनाल्ड जे. ट्रंप ने सोमवार को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली, और इस प्रकार, राष्ट्रपति पद पर अपनी दूसरी बार वापसी की। चार साल के अंतराल के बाद ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी के नेता के रूप में व्हाइट हाउस में कदम रखा। उनकी उम्र अब 78 साल है, लेकिन उनके शक्ति और प्रभाव में कोई कमी नहीं आई है। ट्रंप ने शपथ लेने के बाद आव्रजन, शुल्क, ऊर्जा, व्यापार नीति और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अमेरिकी नीतियों में बड़े बदलाव करने की योजना का ऐलान किया है। इस मौके पर उनके साथ जे.डी. वेंस ने उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

ट्रंप की सत्ता में वापसी की कहानी एक प्रेरक उदाहरण है, क्योंकि उन्होंने अपने पहले कार्यकाल के बाद हुए चुनाव में हारने के बाद फिर से चुनावी मैदान में प्रवेश किया और इस बार राष्ट्रपति बनने में सफल रहे। इससे पहले, ट्रंप एक प्रमुख कारोबारी के रूप में पहचाने जाते थे। उनके व्यवसाय का दायरा रियल एस्टेट से लेकर मीडिया और टेक्नोलॉजी तक फैला हुआ था।

डोनाल्ड ट्रंप की कुल संपत्ति

2016 में जब ट्रंप ने पहली बार राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का ऐलान किया था, तब उनकी कुल संपत्ति लगभग 4.5 अरब डॉलर (करीब 32,500 करोड़ रुपये) थी। हालांकि, जब वह राष्ट्रपति बने, तो उनकी संपत्ति में गिरावट आई और 2020 तक यह 2.1 अरब डॉलर (करीब 15,200 करोड़ रुपये) तक घट गई थी। लेकिन ट्रंप के कार्यकाल के बाद, उनके व्यापारिक साम्राज्य ने पुन: वृद्धि देखी। 2022 तक, उनकी संपत्ति में सुधार हुआ और 2024 के अंत तक उनकी नेटवर्थ 7.7 अरब डॉलर (करीब 64,855 करोड़ रुपये) तक पहुंच गई है, जैसा कि ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स द्वारा रिपोर्ट किया गया है।

ट्रंप के प्रमुख व्यवसाय

ट्रंप की संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप से आता है। इसके अलावा, उनके पास कई गोल्फ क्लब, रिसॉर्ट्स और आलीशान बंगले हैं। रियल एस्टेट से जुड़े उनके व्यवसाय की शुरुआत उनके पिता, फ्रेड ट्रंप, द्वारा की गई थी, जो न्यूयॉर्क के एक प्रसिद्ध रियल एस्टेट कारोबारी थे। 1971 में अपने पिता के निधन के बाद, डोनाल्ड ट्रंप ने इस व्यवसाय को संभाला और उसे तेजी से फैलाया। उन्होंने कई लग्जरी इमारतें बनाई, जिनमें ट्रंप पैलेस, ट्रंप वर्ल्ड टावर, ट्रंप इंटरनेशनल होटल एंड रिसॉर्ट शामिल हैं। इसके अलावा, ट्रंप का मीडिया और टेक्नोलॉजी क्षेत्र में भी निवेश बढ़ा है, खासकर उनकी सोशल मीडिया कंपनी, ट्रुथ सोशल के रूप में।

ट्रंप का भारत में निवेश

डोनाल्ड ट्रंप का भारत में भी बड़ा निवेश है। भारत में ट्रंप के कई प्रमुख प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जिसमें पुणे और मुंबई में ट्रंप टावर का निर्माण हुआ है। इसके अलावा, गुरुग्राम और कोलकाता में भी ट्रंप टावर बन रहे हैं। भारत में कुल चार और ट्रंप टावर बनाने की योजना है, जिससे भारत ट्रंप ब्रांड के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार बन जाएगा।

ट्रंप के आलीशान घर और संपत्तियां

डोनाल्ड ट्रंप के पास कई शानदार प्रॉपर्टीज हैं, जिनमें से एक उनका 1 करोड़ डॉलर (करीब 7.5 करोड़ रुपये) का आलीशान मेंशन है। यह मेंशन 1927 में बना था, जिसे ट्रंप ने 1985 में खरीदा था।

यह मेंशन 20 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और इसमें 58 बेडरूम, 33 बाथरूम, 12 फायरप्लेस, एक स्पा, स्विमिंग पूल, टेनिस कोर्ट और गोल्फ कोर्स जैसी सुविधाएं हैं। इसके अलावा, ट्रंप के पास न्यूयॉर्क, मैनहट्टन, सेंट मार्टिन और वर्जीनिया में भी आलीशान संपत्तियां हैं।

ट्रंप का गोल्फ और लग्जरी गाड़ियों का शौक

ट्रंप को गोल्फ का खासा शौक है और उनके पास 19 गोल्फ कोर्स हैं। इसके साथ ही, उनके पास एयरक्राफ्ट और लग्जरी कारों का शानदार कलेक्शन भी है। ट्रंप के पास पांच एयरक्राफ्ट हैं, जिनमें उनकी निजी जेट भी शामिल है। वहीं, उनके कार कलेक्शन में रॉल्स रॉयस सिल्वर क्लाउड, मर्सिडीज बेंज जैसी सैकड़ों लग्जरी गाड़ियां शामिल हैं, जो उनकी समृद्धि और शौक को दर्शाती हैं। डोनाल्ड ट्रंप की संपत्ति और व्यवसाय केवल उनकी कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता का परिणाम नहीं, बल्कि उनके वैश्विक प्रभाव और ब्रांड की ताकत का भी प्रतीक हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569